✷Website : www.kalamlok.com✷

वर्ष - 09 अंक - 340

बक्सर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026

कलम लोक

₹7 | पृष्ठ - 8 | मूल्य 2 रू.

"सत्य का मतलब सच बोलना भर नहीं, वरन विवेक, कर्त्तव्य, सदाचरण, परमार्थ जैसी सत्प्रवृत्तियों और सद्भावनाओं से भरा हुआ जीवन जीना है।

खराब सोच वाला कमेंट, भारत को नरक का द्वार कहने पर सरकार का डोनाल्ड ट्रंप पर पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को नरक का द्वार बताया था, जिसपर केंद्र सरकार ने पलटवार किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सोशल मीडिया पर भारत के बारे में किए गए कमेंट बिना जानकारी के, अनुचित और खराब सोच वाले हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने उन टिप्पणियों को देखा है, और साथ ही उनके जवाब में अमेरिकी दूतावास द्वारा जारी किए गए बाद के बयान को भी। ये टिप्पणियां स्पष्ट रूप से बिना जानकारी के, अनुचित और खराब सोच वाला कमेंट हैं। ये निश्चित रूप से भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को नहीं दर्शातीं, जो लंबे समय से आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित रहे हैं।'

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पॉडकास्टर की अपमानजनक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें भारत को नरक बताया गया था। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी थी। रणधीर जायसवाल ने कहा था कि हमने कुछ खबरें देखी हैं। मैं यहीं पर इसे छोड़ता हूं। जब पूरे विवाद पर डोनाल्ड ट्रंप की चौतरफा निंदा हुई तो अमेरिका ने पूरे मामले पर यूटर्न लेते हुए इसे संभालने की कोशिश की। अमेरिका की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि भारत एक महान देश है, जिसका नेतृत्व उनके अच्छे मित्र कर रहे हैं।

अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, ''राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत एक महान देश है, जिसके शीर्ष पर उनके बहुत अच्छे मित्र हैं।'' प्रवक्ता का यह बयान भारतीय मीडिया के उन सवालों के जवाब में आया, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर की गई एक रीपोस्ट से पैदा हुए विवाद के बारे में पूछा गया था। उस रीपोस्ट में रेडियो शो होस्ट माइकल सैवेज की टिप्पणियां शामिल थीं, जिसमें भारत, चीन और कुछ अन्य देशों को 'नरक' कहा गया था। प्रवक्ता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि ट्रंप ने भारत को एक महान देश बताने वाली टिप्पणी कहां और कब की थी। सैवेज ने ये टिप्पणियां अमेरिकी उच्चतम न्यायालय में जन्मजात नागरिकता को चुनौती देने वाले एक मामले के संदर्भ में की थीं।

कांग्रेस ने पीएम मोदी से मांगी थी प्रतिक्रिया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के संदर्भ में ''अपमानजनक'' पोस्ट साझा किए जाने को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनाव प्रचार से समय निकालकर इस बारे में प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी किस बात से ''डरे हुए हैं।'' खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी जी के प्रिय मित्र 'नमस्ते ट्रंप' ने भारत के बारे में अपशब्द कहते हुए और बेहद अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करते हुए एक नोट साझा किया है। मोदी जी इन बेतुके बयानों पर बिल्कुल चुप रहते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 'मैं इसे यहीं छोड़ता हूं।'' उन्होंने सवाल किया, '' नरेन्द्र मोदी जी, आप किस बात से डर रहे हैं?''

गर्मी में रोड शो के लिए खड़े हैं, जल्दी आइए

लड़की के कमेंट पर अमित शाह बोले- 10 मिनट में पहुंच रहा

कोलकाता (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। गुरुवार को पहले फेज की वोटिंग हुई और 90 फीसदी से ज्यादा मत पड़े। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच मुख्य रूप से राज्य में मुकाबला है, जिसके लिए तमाम नेता रोजाना रैली और रोड शो करके जनता का वोट हासिल करने में लगे हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी रोजाना कई रैलियों और रोड शो को संबोधित कर रहे हैं। इस बीच, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनका एक कमेंट वायरल हो रहा है। दरअसल, रोड शो में इंतजार कर रही एक लड़की ने शाह से जल्दी आने की अपील की, जिस पर गृह मंत्री ने जवाब भी दिया।

अमित शाह के आधिकारिक इंस्टाग्राम पोस्ट पर तनुश्री नामक एक युवती ने कमेंट किया कि जल्दी आ जाइए अमित जी, खड़े हैं हम लोग रोड शो के लिए गर्मी में बहुत देर से। इस पर अमित शाह के हैंडल से रिप्लाई किया गया, ''तनुश्री, देरी के लिए माफी, 10 मिनट में पहुंच रहा हूं।'' सोशल मीडिया पर यह कमेंट का स्क्रीनशॉट खूब वायरल हो रहा है वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में एक रोडशो का नेतृत्व किया और कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार का पतन निकट है। शाह ने सजे हुए एक वाहन के ऊपर से जेस्सोर रोड के दोनों ओर खड़े लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, 'लेडी मददगार' समेत 4 गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत श्रीनगर के हजरतबल इलाके में सक्रिय आतंकी नेटवर्क की कमर तोड़ दी है। देर रात चले एक टार्गेटेड सर्च ऑपरेशन में पुलिस और सुरक्षा बलों ने चार ओवर ग्राउंड वर्कर्स को दबोचा है, जिनमें एक महिला भी शामिल है।

खुफिया इनपुट के आधार पर की गई इस छापेमारी में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से घातक हथियार और अन्य सामग्री बरामद हुई है: 1 हैंड ग्रेनेड और एके -47 की 15 गोलियां। 4 मोबाइल फोन (डिजिटल साक्ष्यों के लिए ज़ब्त)। भारी मात्रा में नकदी। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी हजरतबल के ही स्थानीय निवासी हैं। इनके नाम निम्नलिखित हैं: जाहूर अहमद मीर बशीर अहमद भट गुलाम मोहम्मद भट शाजिया मोहम्मद (महिला आरोपी)। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस नेटवर्क में शाजिया मोहम्मद (महिला) की मौजूदगी यह दर्शाती है कि आतंकी संगठन अब जांच से बचने के लिए महिलाओं का सहारा ले रहे हैं।

बंगाल पर सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा?

'दूरगामी नतीजे होंगे, राष्ट्रपति शासन भी लग सकता हैं'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल की शुरुआत में आई-पैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पर पड़े ईडी के छापे और उसके बाद ममता बनर्जी द्वारा कथित बाधा उत्पन्न किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। कोर्ट ने गुरुवार को अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि संवैधानिक तंत्र के ठप होने के तर्क के काफी दूरगामी नतीजे होंगे, क्योंकि इससे राष्ट्रपति शासन भी लग सकता है। हालांकि, ईडी ने साफ किया कि वह यह तर्क नहीं दे रहा है कि पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से संवैधानिक तंत्र ठप हो गया है।

लाइव लॉ के अनुसार, सॉलिसिटर जनरल ने साफ किया कि ईडी का तर्क यह था कि I-PAC मामले में कानून के शासन का उल्लंघन हुआ है, और इसे संवैधानिक तंत्र की विफलता के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। इससे पहले, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि अगर कोई मुख्यमंत्री ईडी की जांच में दखल देता है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। आठ जनवरी को कोलकाता में आई-पैक के दफ्तर और को फाउंडर जैन के घर पर ईडी ने तलाशी ली थी।

बहस के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि राज्य में कानून-व्यवस्था का पूरी तरह से उल्लंघन हुआ है, और मुख्यमंत्री का यह कदम कोई अलग-थलग घटना नहीं थी, क्योंकि उन्होंने पहले भी इसी तरह के काम किए हैं। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि यह एक बड़ी चिंता है, जिस पर जस्टिस ने जवाब दिया कि हमें उम्मीद है कि आप उसी ओर संकेत नहीं कर रहे हैं। इस पर सरकारी वकील ने कहा कि ईडी कभी भी ऐसी दलील नहीं दे सकती है। मैं अधिकारियों और संस्था के पक्ष में हूं। यह बहुत सालों से स्थिति बनी हुई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई सुझाव नहीं है, हम तो उस विवाद के संदर्भ के बारे में पूछ रहे हैं, जो विवाद खड़ा हो रहा है। जस्टिस अंजारिया ने संकेत दिया कि यह एक अतिवादी रुख हो सकता है, क्योंकि अनुच्छेद 356 के अनुसार, संवैधानिक तंत्र का ठप होना किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का एक आधार है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ठप होने का आरोप लगाते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2,700 करोड़ रुपये के कोयला तस्करी मामले से जुड़े कोलकाता में I-PAC के दफ्तर के खिलाफ अपनी जांच में रुकावट डालने के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने ईडी और उसके अधिकारी रॉबिन बंसल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू की दलीलें सुनीं। उन्होंने सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच करने का निर्देश देने की मांग की।

हैदराबाद-नागपुर के बीच बिछेगी एलपीजी पाइपलाइन, 1585 करोड़ का बड़ा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के ऊर्जा नेटवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। दक्षिण और मध्य भारत के बीच एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद से नागपुर के बीच एक महत्वाकांक्षी पाइपलाइन परियोजना तैयार की गई है।

कुल निवेश: लगभग 1,585 करोड़ रुपये, लंबाई: यह पाइपलाइन 453 किलोमीटर लंबी होगी, रूट: यह तेलंगाना के चेर्लापल्ली (एचपीसीएल टर्मिनल) से शुरू होकर वारंगल और महाराष्ट्र के चंद्रपुर होते हुए नागपुर तक पहुंचेगी, क्षमता: प्रति वर्ष 510 टीएमटी एलपीजी परिवहन की क्षमता, कनेक्टिविटी: इसके जरिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 6 बड़े बॉटलिंग प्लांट्स को जोड़ा जाएगा। वर्तमान में एलपीजी की आपूर्ति भारी टैंकरों के माध्यम से सड़क मार्ग से होती है। इस पाइपलाइन के शुरू होने से कई बड़े बदलाव आएंगे, सड़क हादसों का खतरा कम होगा और गैस की डिलीवरी अधिक तेज होगी।

केजरीवाल की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को सुनवाई से हटाने की मांग वाली याचिका संबंधी सुनवाई के वीडियो हटाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को सुनवाई से हटने की मांग करने वाली याचिका संबंधी सुनवाई के वीडियो हटाने का आदेश दिया है.

आज सुनवाई के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफार्म मेटा ने कहा कि उसने कुछ यूआरएल को हटा दिया है, सुनवाई के दौरान गूगल की ओर से कहा गया कि उसने यूट्यूब का कोई लिंक नहीं हटाया है क्योंकि उनमें कोर्ट की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग नहीं है. इसका याचिकाकर्ता ने विरोध किया और कहा कि उन लिंक में भी कोर्ट की कार्यवाही के वीडियो मौजूद हैं. उसके बाद कोर्ट ने गूगल को निर्देश दिया कि वो कोर्ट की कार्यवाही से संबंधित सभी वीडियो हटाएं.

इसके पहले 22 मार्च को जस्टिस तेजस करिया ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था. याचिका वकील वैभव सिंह ने दायर की है. याचिका में दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से केजरीवाल को बरी करने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को हटने की मांग की सुनवाई के वीडियो रिकॉर्ड कर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर आपत्ति जताई गई है. याचिका में केजरीवाल और एक नामी पत्रकार के अलावा कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, संजीव झा, पूरनदीप साहनी, जरनैल सिंह, मुकेश अहलावत और विनय मिश्रा के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई करने की मांग की गई है.

याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट की कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से हटाए जाएं. याचिका में केजरीवाल पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कोर्ट में बिना आधार के भ्रामक दलीलें दी. केजरीवाल ने कोर्ट का मान कम करने के लिए कई अनर्गल आरोप लगाए. याचिका में कहा गया है कि केजरीवाल की दलीलों को रिकॉर्ड कर उन्हें एक्स, फेसबुक , इंस्टाग्राम और यूट्यूब के विभिन्न चैनल्स पर अपलोड किया गया. ऐसा कर आम लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की गई. इसके जरिये कोर्ट और केंद्र सरकार पर अनावश्यक दबाव बनाने का प्रयास किया गया. इसके पहले याचिकाकर्ता वकील वैभव सिंह ने इसके पहले हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से शिकायत कर केजरीवाल और दूसरे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी.

विधानसभा चुनाव 2026

हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान, तमिलनाडु में भी ऐतिहासिक वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण और तमिलनाडु में सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान खत्म हो गया है। दोनों ही राज्यों में मतदाताओं की भागीदारी ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पश्चिम बंगाल में 91.40 प्रतिशत तो तमिलनाडु में 84.35 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल में कई जगह पर हिंसा देखने को मिली है। वहीं, तमिलनाडु में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ।

मुर्शिदाबाद में उपद्रवियों ने आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर की कार पर लाठी और ईंटों से हमला कर दिया। इसके बाद हुमायूं धरने पर बैठ गए। दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु सरकार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया। मालदा के ही हरिश्चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र में टीएमसी के 2 गुट आपस में भिड़ गए। सिलीगुड़ी के बूथ संख्या 26/237 पर टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई।

कोलकाता में रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, चुनाव के पहले चरण में अब तक हुई वोटिंग से संकेत मिलता है कि टीएमसी पहले से ही जीत की स्थिति में है। मुझे किसी भी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं तो बस केंद्र में भाजपा सरकार का अंत चाहती हूं। वे बंगाल पर जितना हमला करेंगे, हम उतनी ही ज्यादा जीत हासिल करेंगे। आप बंगाल पर जितना ज्यादा हमला करेंगे, टीएमसी उतनी ही जीतेगी।

'चेन्नई एक्सप्रेस' ने मुंबई इंडियंस को रौंदा, सैमसन ने ठोका शतक; अकील का 'घातक चौका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने गुरुवार को आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) में 103 रनों से रौंदा। सीएसके ने संजू सैमसन के शतक की बदौलत वानखेड़े स्टेडियम में 208 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में मुंबई की टीम 19 ओवर में 104 रन पर सिमट गई। यह सीएसके की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत और मुंबई की सबसे बड़ी हार है। स्पिनर अकील हुसैन ने 'घातक चौका' लगाया। उन्होंने चार ओवर के स्पेल में महज 17 रन देकर चार विकेट चटकाए।

उन्होंने एक मेडन ओवर भी डाला। लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई की शुरुआत खराब रही। मुंबई के तीन विकेट सिर्फ 11 रन पर गिर थे, जिससे टीम उबर नहीं पाई। क्विंटन डिकॉक और कप्तान हार्दिक पांड्या समेत आठ प्लेयर दहाई अंक में नहीं पहुंचे। दानिश मालेवार, नमन धीर और शेरफेन रदरफोर्ड का तो खाता ही नहीं खुला। सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंदों में 36 और तिलक वर्मा ने 29 गेंदों में 37 रनों की पारी खेली। दोनों के बल्ले से पांच-पांच चौके निकले। सूर्या और तिलक ने चौथे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी की। यह साझेदारी 12वें ओवर में अकील ने तोड़ी थी। सीएसके के लिए नूर अहमद ने दो जबकि जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी ने एक-एक शिकार किया। इससे पहले, पांच बार की चैंपियन चेन्नई ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन जुटाए।

बिहार विधानसभा में सम्राट चौधरी सरकार का फ्लोर टेस्ट आज

पटना (एजेंसी)। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए की नई सरकार का फ्लोर टेस्ट 24 अप्रैल को होगा। सम्राट सरकार शुक्रवार को विश्वास मत हासिल करेगी। इसके लिए बिहार विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विश्वास मत का प्रस्ताव सदन में रखेंगे। फिर इस पर वोटिंग होगी। फ्लोर टेस्ट में शामिल होने के लिए भारतीय जनता पार्टी के विधायक पश्चिम बंगाल से लौटने लगे हैं। विधायकों का पटना पहुंचना शुरू हो गया है।

जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा के बाद सूबे में 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हुआ था। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दो डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव के साथ शपथ ली थी। लिहाजा, नई सरकार को सदन में फिर से बहुमत साबित करना है। हालांकि, सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार को फ्लोर टेस्ट में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। बिहार विधानसभा में कुल 243 सदस्यों की क्षमता है। अभी 242 विधायक हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे से एक सीट खाली हुई थी। ऐसे में बहुमत के लिए 122 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। इस समय विधानसभा में एनडीए के पास 201 विधायक हैं। विपक्षी गठबंधन के पास एआईएमआईएम और बसपा को मिलाकर कुल 41 ही विधायक हैं। ऐसे में एनडीए के समक्ष कोई समस्या नहीं आएगी। सम्राट सरकार फ्लोर टेस्ट आसानी से पास कर लेगी।

बंगाल से लौटने लगे भाजपा विधायक

बिहार के 50 से ज्यादा भाजपा विधायकों को पार्टी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में अलग-अलग सीटों पर प्रचार और चुनावी प्रबंधन में लगाया था। बंगाल में पहले चरण का मतदान गुरुवार को हो गया। अब दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इससे पहले 24 अप्रैल को सम्राट सरकार का फ्लोर टेस्ट होने के चलते सभी विधायक पटना पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को वे सदन की कार्यवाही में शामिल होंगे। सम्राट सरकार के बहुमत परीक्षण और पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद बिहार कैबिनेट का विस्तार भी होने की संभावना है। क्योंकि अभी मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी सीएम मिलकर ही सरकार चला रहे हैं। सम्राट कैबिनेट का विस्तार मई के पहले सप्ताह में होने की संभावना है।

घर में कोई कमाने वाला है, तो अनुकंपा नौकरी नहीं; हाईकोर्ट का सरकारी आदेश में हस्तक्षेप से इनकार

पटना (संवाददाता)। घर में कोई कमाने वाला सदस्य है, तो उस स्थिति में आश्रित को अनुकंपा नौकरी नहीं मिलेगी। पटना हाईकोर्ट ने यह अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने सरकारी आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, जिसमें घर में कमाऊ सदस्य होने के चलते मृतक कर्मचारी के आश्रित को अनुकंपा नौकरी नहीं देने की बात कही गई। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी सरकारी कर्मी की मृत्यु के बाद उसके आश्रित को अनुकंपा पर नौकरी तभी दी जा सकती है, जब घर में कोई कमने वाला नहीं हो और आश्रितों का भरण-पोषण के लिए आय का कोई साधन नहीं हो।

पटना हाईकोर्ट के जस्टिस न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की एकलपीठ ने सिद्धू कुमार की ओर से दायर अर्जी को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। गौरतलब है कि बेगूसराय जिला अनुकंपा समिति ने मृतक कर्मी के आश्रित को अनुकंपा पर नौकरी देने से इनकार कर दिया था। उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। मामले में बताया जा रहा है कि हवलदार बिनोद शर्मा की मृत्यु हो गई थी। मृतक के आश्रित सिद्धू कुमार ने अनुकंपा पर नौकरी के लिए आवेदन किया था। इसमें दावा किया गया कि उनके बड़े भाई परिवार से अलग रहते हैं। ऐसे में आश्रित के पास आय का कोई साधन नहीं है और परिवार के भरण-पोषण की समस्या बनी रहती है। आवेदक के बड़े भाई भी सरकारी नौकरी में हैं। इसी के चलते जिला अनुकंपा समिति ने सिद्धू कुमार के आवेदन को खारिज कर दिया और अनुकंपा नियुक्ति देने से इनकार कर दिया। जब यह मामला हाईकोर्ट पहुंचा तो साल 2022 में बिहार के डीजीपी को अदालत के पूर्णपीठ के फैसले निरज कुमार मलिक बनाम बिहार सरकार के आदेश के आलोक में पुनर्विचार करने का आदेश दिया गया था। इसके बाद जिला अनुकंपा समिति ने 28 जुलाई 2023 को फिर से सुनवाई कर अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन को खारिज कर दिया था। सरकार की ओर से बताया गया कि सिद्धू के बड़े भाई जेल पुलिस वार्डन हैं और नियमित वेतन ले रहे हैं। कोर्ट ने पाया कि परिवार के पास आय का पर्याप्त साधन उपलब्ध है। कोर्ट ने अर्जी को निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया।

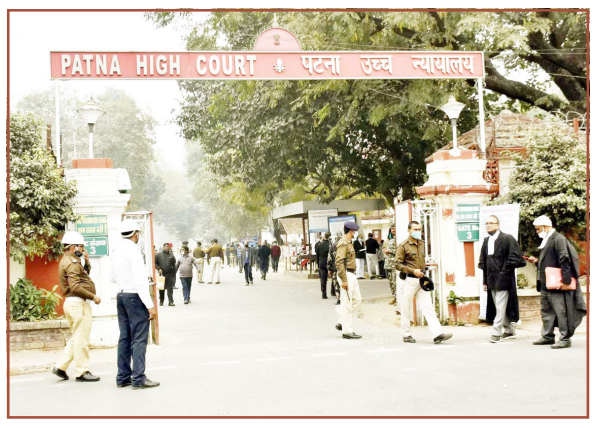

अनुकंपा नौकरी क्या है?

अनुकंपा नौकरी सरकारी कर्मचारी की सेवाकाल में मौत होने के बाद उनके आश्रितों को आर्थिक संकट से बचाने के लिए दी जाती है। यह आमतौर पर मृतक के परिवार के किसी एक सदस्य जैसे पत्नी, पति, बेटा या अविवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति मिलती है। आमतौर पर अनुकंपा नियुक्तियां तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर दी जाती है। इसके लिए आश्रित का शिक्षित और शारीरिक रूप से सक्षम होना जरूरी होता है।

सुबह 11.30 बजे ही हो जाएगी सभी कक्षाओं की छुट्टी, भीषण गर्मी के चलते डीएम का आदेश

भभुआ (संवाददाता)।

बिहार में पड़ रही भीषण गर्मी का असर स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर पड़ने लगा है। खासकर दक्षिण बिहार के जिलों में हीटवेव की स्थिति बनी हुई है। कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा है। इस बीच कैमूर जिले में सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सुबह 11.30 बजे के बाद शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिले के स्कूलों, प्री-स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं की छुट्टी सुबह 11.30 बजे ही कर दी जाएगी। यह आदेश कोचिंग संस्थानों पर भी लागू रहेगा।

कैमूर जिले के डीएम नितिन कुमार सिंह ने गुरुवार को यह आदेश जारी किया। स्कूलों की नई टाइमिंग 23 से 30 अप्रैल तक लागू रहेगी। डीएम ने कहा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर जिले में चलने वाली हीटवेव और दोपहर के समय भीषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए यह आदेश जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार कैमूर जिले में गुरुवार को दिन का तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग ने कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास समेत दक्षिण-पश्चिम बिहार के जिलों में अगले हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की है। कैमूर में अधिकतम तापमान अगले सप्ताह तक 45 डिग्री सेल्सियस तक जाने का अनुमान है।

इन जिलों में भी 5वीं तक की कक्षाओं के लिए लग चुकी है पाबंदी

छपरा (सारण), अरवल और शेखपुरा जिले में भी 5वीं तक के स्कूली छात्र-छात्राओं की छुट्टी सुबह 11.30 बजे से पहले करने का आदेश संबंधित जिलाधिकारियों द्वारा जारी किया जा चुका है। वहीं, पटना, गयाजी, भोजपुर जैसे कुछ जिलों में यह पाबंदी दोपहर 12.30 बजे तक रखी गई है। हालांकि, ऊपरी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के लिए अभी नई टाइमिंग कैमूर के अलावा किसी अन्य जिले में नहीं लगाई गई है।

एसआईआर में जिनके नाम कटे उनके राशन कार्ड-डीएल होंगे रद्द

पूर्णिया (संवाददाता)। एसआईआर के बाद मतदाता सूची से जिनका हटाया गया है, उनका राशन कार्ड और डीएल भी रद्द होगा। सीमांचल से घुसपैठ को खत्म करने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कवायद जल्द शुरू की जाएगी। बता दें कि एसआईआर के दौरान सीमांचल के चार जिलों से पांच लाख मतदाताओं के नाम हटाये गये थे। मतदाता सूची से जिनके नाम हटाये गये हैं, उनके पास अगर राशन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस है तो इसे भी रद्द किया जायेगा। पूर्णिया के प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार ने आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान के साथ बातचीत में कहा कि एसआईआर के दौरान जिनके नाम हटाये गये हैं, उनके डीएल व राशन रद्द करने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

खास बात यह है कि सीमांचल में होने वाली फंडिंग पर भी नेशनल एजेंसी की पैनी नजर है। कई ऐसे संस्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां करोड़ों की फंडिंग हो रही है। इसकी जद में आए संस्थानों को होने वाली फंडिंग की जांच हो रही है। भारतीय खाद के नेपाल भेजे जाने का धंधा भी बंद होगा। कालाबाजारी कर भारतीय खाद को नेपाल में खपाने वाले लोगों को चिह्नित कर कार्रवाई की जायेगी। सीमांचल में साइबर क्राइम के मामले पर भी नकेल लगेगी। गुंडा बैंक, म्यूल एकाउंट समेत साइबर क्राइम पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर है। बिहार में ब्याही गयी नेपाली बेटियों को भारतीय नागरिकता देने के लिए कैंप लगाकर आवदेन लिया जायेगा। इसके लिए सर्वे कार्य के बाद संबंधित साइट पर ऐसे लोगों का डाटा अपलोड किया जायेगा।

प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार के मुताबिक यह सीमांचल का मसला नहीं नेशनल सिक्योरिटी का मामला है। नेपाल और बांग्लादेश की सटी सीमा के साथ चिकन नेक को ध्यान में रखते हुए सीमांचल की सुरक्षा व्यवस्था पर स्थानीय प्रशासन के साथ राज्य और केंद्र सरकार का विशेष फोकस है। सुरक्षा व्यवस्था के साथ सीमांचल के क्षेत्रों में आर्थिक समृद्धता के लिए भी प्रयास हो रहे हैं।

ना सरकार में कुर्सी, ना पार्टी में पद; नीतीश की जेडीयू में निशांत की राजनीति के लिए कब, क्या?

पटना (संवाददाता)। बिहार में दो दशक तक सरकार चला चुके पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इकलौते बेटे निशांत कुमार राजनीति में आने के बाद से ही अटकलबाजों को छका रहे हैं। नीतीश की अगुवाई वाली जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में महिला दिवस के दिन 8 मार्च को शामिल हुए निशांत को 27 मार्च को कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने सक्रिय सदस्यता भी दे दी। लेकिन जेडीयू कोटे से डिप्टी सीएम के तौर पर चर्चा के बावजूद 15 अप्रैल को निशांत ना तो सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बनी सरकार में शामिल हुए और ना शपथ ग्रहण समारोह में गए। कल 22 अप्रैल को जब नीतीश की जेडीयू की राष्ट्रीय टीम की घोषणा हुई तो निशांत का नाम उसमें भी नहीं आया। ऐसे में कौतुहल है कि जदयू की राजनीति में निशांत के लिए कब और क्या लिखा गया है। नीतीश के बाद निशांत का नंबर कब आएगा, सफर कहां से शुरू होगा।

नई सरकार के शपथ ग्रहण से एक दिन पहले जेडीयू सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई थी कि निशांत ने डिप्टी सीएम बनने से मना कर दिया है और कहा कि जब तक वो सदन में नहीं पहुंच जाते, सरकार में पद नहीं लेंगे। निशांत ने जदयू में शामिल होने के बाद ही कह दिया था कि वह राज्य का दौरा करेंगे और कल इसका ऐलान हो गया कि 3 मई से वो पश्चिम चंपारण से बिहार के 38 जिलों की यात्रा पर निकलेंगे। यात्रा नीतीश की राजनीतिक ताकत रही है। नीतीश ने 2005 से 2026 तक कुल 16 यात्राएं की हैं। निशांत की यात्रा का नाम और कार्यक्रम नहीं आया है, लेकिन गांधी की कर्मभूमि चंपारण से शुरुआत भी एक राजनीतिक संदेश है।

जदयू में आने के बाद निशांत सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। हर दिन बैठक और मुलाकात की फोटो डाल रहे हैं। उनके एक्स (ट्विटर) हैंडल को देखने पर जो एक बात तुरंत नोटिस में आती है, वो यह कि वो नीतीश के साथ फोटो डालने से बच रहे हैं। सम्राट सीएम बनने और कल दिल्ली से लौटने के बाद जब नीतीश से मिलने गए, तो फोटो में निशांत नहीं दिखे, जबकि वो पिता के साथ रहते हैं। नीतीश या निशांत के सोशल मीडिया पर एक साथ बाप-बेटे के फोटो की संख्या बहुत कम है। इशारों से समझें तो निशांत को नीतीश की परछाई से निकालकर खड़ा करने की तैयारी है। नीतीश चूंकि परिवारवाद को लेकर लालू यादव को लगातार घेरते रहे हैं, इसलिए वो खुद निशांत को लेकर इस तरह के आरोप से बचना चाहते हैं। यही वजह है कि सीएम पद छोड़ते ही नीतीश ने कोई हड़बड़ी नहीं दिखाई और बेटे निशांत के बदले जेडीयू कोटे से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव को डिप्टी सीएम बनवाया। निशांत पार्टी में सक्रिय सदस्य हैं, लेकिन जदयू कार्यालय में आयोजित बैठकों में वो बीच वाली कुर्सियों पर नजर आ रहे हैं। पार्टी के कार्यक्रमों और नेताओं की लगातार मुलाकात से समझाया जा रहा है कि पार्टी का अगला नेता कौन है। इसलिए नीतीश की टीम से बेटे को बाहर रखा गया है। नीतीश बेटे को बढ़ाते नहीं दिखना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि ऐसा दिखे कि जेडीयू वाले ही निशांत को लाए और अब वही आगे बढ़ा रहे हैं। नीतीश की राजनीति में यात्रा का बहुत योगदान है। संकेतों से लगता है कि निशांत के आगे का रास्ता बिहार यात्रा के बाद खुलेगा। निशांत के लिए सरकार या पार्टी में कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे हासिल करने के लिए बहुत कुछ करना जरूरी है। निशांत जब चाहें, वो मिल सकता है। लेकिन जेडीयू पहले उनको राजनीतिक अनुभव हासिल कर चुके नेता के तौर पर स्थापित करना चाहती है। पार्टी संगठन में सक्रियता, नेताओं से मेल-मुलाकात और बिहार यात्रा के जरिए जेडीयू निशांत को खुद के दम पर आगे आया नेता बनाना चाहती है।

सम्राट चौधरी मेरे बड़े भाई हैं, बधाई देकर बोले निशांत कुमार; नए सीएम से एक उम्मीद भी जताई

बिहार के प्रमुख नेताओं की दूसरी पीढ़ी में शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी, लालू यादव की बेटी मीसा भारती, रोहिणी आचार्य, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव, रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान, जीतनराम मांझी के बेटे संतोष सुमन, उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश जगह बना चुके हैं। निशांत के सफर में नीतीश का बेटा होने की भूमिका को जेडीयू गौण करने की भरसक कोशिश कर रही है। लेकिन निशांत की पहचान ही नीतीश हैं। नीतीश की योजना में सरकार या दल में निशांत के लिए जो चीजें जब लिखी होंगी, तब मिल जाएंगी। आम कार्यकर्ता नेता बनने के लिए उन चीजों की ओर भागता है। वही चीजें निशांत का इंतजार कर रही हैं। नीतीश का जदयू निशांत के मन बनाने की ऐसी भूमिका बनाने में जुटा है, जिसे कोई परिवारवाद ना कह सके।

पप्पू यादव ने फिर किए सनसनीखेज दावे

'पटना में लड़की परोसी गई, नेता बेटियों की बोली लगा रहे'

पूर्णिया (संवाददाता)। बिहार के पूर्णिया जिले से निर्दलीय सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने एक बार फिर बड़ा दावा कर दिया है। अब पप्पू यादव ने कहा है कि पटना में हॉस्टल की लड़कियां पदाधिकारियों को परोसी जाती हैं। इतना ही नहीं पप्पू यादव ने यह भी कहा कि नेता बेटियों की बोली लगा रहे हैं। दरअसल बुधवार को सांसद पप्पू यादव पूर्णिया जिले में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थें। यहां पप्पू यादव ने कुछ मोबाइल पर वीडियो क्लिप दिखाते हुए बड़े दावे किए हैं। पप्पू यादव ने एक वीडियो क्लिप अपने मोबाइल पर दिखाते हुए कहा, ' अखबार के लोगों ने गर्ल्स हॉस्टल में स्टिंग ऑपरेशन किया। एक घटना नहीं है कई घटनाएं हैं। इसी तरह कई लड़कियां पकड़ाई। यह शोषण नेताओं के द्वारा और नेताओं के लिए है पूरा का पूरा।' इसके बाद एक अन्य क्लिप दिखाते हुए पप्पू यादव ने कहा कि यह पदाधिकारी, पटना और बड़े शहरों में पदाधिकारी को लड़की परोसा गया। हम कोई बात करते हैं तो मेरा अपना नहीं होता है। कानून के तहत है। कानून के तहत आपने स्टिंग ऑपरेशन किया है।

सांसद पप्पू यादव ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि महिलाओं के साथ लगातार शोषण हो रहा है। हाल में कई घटनाएं सामने आई हैं। ऐसे में महिलाओं और बच्चियों के साथ उत्पीड़न और शोषण की घटना पर आवाज उठाना गलत है? उन्होंने कहा कि आखिर कोई तो होगा जो बेटियों और महिलाओं के हो रहे शोषण के खिलाफ आवाज को बुलन्द करेगा। मैं भी मां का दूध पीकर बड़ा हुआ हूं। उसका कर्ज चुकाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि समाज में जो बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है। इसे लेकर लगातार आवाज उठा रहा हूं। ऐसे में मुझपर सवाल उठाया जाना कहां तक उचित है।

पप्पू यादव ने देश के नेताओं से लेकर कई अलग-अलग क्षेत्रों में हो रहे बेटियों के साथ उत्पीड़न की कई अन्य घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कई नेताओं द्वारा बेटी की बोली लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि क्या इस तरह की घटनाओं पर महिला आयोग की नजर नहीं है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी एक का भी व्यक्तिगत नाम नहीं लिया है। सिर्फ महिला और बेटी के साथ हो रहे उत्पीड़न शोषण पर रोक की बात कही है।

पप्पू यादव पर दायर करेंगे मानहानि का मुकदमा - महिला आयोग

अभी हाल ही में सांसद पप्पू यादव ने अपने एक अन्य दावे में कहा था कि नेताओं के कमरे में गए बगैर 90 फीसदी महिलाएं राजनीति नहीं कर सकती हैं। उनके इस बयान पर काफी हंगामा मचा था। इसी कड़ी में बीते मंगलवार को पप्पू यादव द्वारा राजनीति में आने वाली महिलाओं पर गलत बयान देने के कारण महिला आयोग ने उसे स्वत: संज्ञान लेकर पप्पू यादव से स्पष्टीकरण मांगा था। लेकिन, बुधवार को ही पप्पू यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से महिला आयोग के नोटिस को कचरे के डिब्बे में डाल दिया। इसकी जानकारी महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान दी। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव ने आयोग के नोटिस को कचरे के डिब्बे में डालकर आयोग के अध्यक्ष पर अमर्यादित टिप्पणी की। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष के साथ अध्यक्ष की तस्वीर साझा की और अव्यवहारिक टिप्पणी की। पप्पू यादव के इस अमर्यादित टिप्पणी को एक बार फिर स्वत: संज्ञान में महिला आयोग ने लिया है। जारी नोटिस में कहा गया है कि महिला आयोग की अध्यक्ष की गरिमा को ठेस पहुंची है। इसको देखते हुए मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। साथ में महिला आयोग में पप्पू यादव को 30 अप्रैल को साक्ष्य के साथ प्रस्तुत होने का निर्देश दिया है।

ऑटो में जा रही महिला को शूटर ने मारी 3 गोलियां; लव अफेयर का मामला

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। बिहार के मुजफ्फरपुर में गुरुवार को एक महिला को दिनदहाड़े बदमाशों ने गोली मार दी। घटना अहियापुर में चंदन बखरी के पास हुई। महिला अपनी भाभी के साथ शहर से बोचहां के बरहामपुर गांव स्थित अपने घर लौट रही थी। तभी बाइक सवार शूटर ने उसे तीन गोलियां मारीं। गोली लगने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका इलाज चल रहा है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायरिंग की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल पैदा हो गया। घायल महिला का नाम मदीना खातून बताया जा रहा है। वह गुरुवार सुबह अपनी भाभी को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच अस्पताल के ओपीडी में लेकर गई थी। अस्पताल से वह भाभी के साथ ऑटो में सवार होकर वापस गांव लौट रही थी। तभी चंदन बखरी के पास दो बाइक सवार आए, उनमें से एक ने उसे तीन गोलियां मार दीं। आरोपी गोली मारकर मौके से फरार हो गए।

सीएम बोले- जनजातीय अंचल में खेलों के जरिए बदलाव की नई लहर, सचिन तेंदुलकर का दौरा प्रेरणादायी

सचिन तेंदुलकर का बस्तर आगमन बदलते बस्तर की सशक्त पहचान : मुख्यमंत्री

दंतेवाड़ा के ग्राम छिंदनार में सचिन तेंदुलकर ने रखी खेल क्रांति की नींव

सचिन एवं मानदेशी फाउंडेशन के जरिए संवरेगा वनांचल का युवाओं के भविष्य'

स्थानीय खेल प्रतिभाओं के लिए बुनियादी खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए फाउंडेशन प्रतिबद्ध

छात्र जीवन में प्रतिभा के साथ-साथ अनुशासन एवं कड़ी मेहनत सर्वाधिक जरूरी : तेंदुलकर

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माँ दंतेश्वरी की पावन धरा पर भारत रत्न और क्रिकेट के महानायक सचिन तेंदुलकर के आगमन पर सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दंतेवाड़ा जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र छिंदनार ग्राम में सचिन तेंदुलकर का आगमन बदलते हुए बस्तर की सशक्त पहचान है। यह उस नए बस्तर की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो अब भय और असुरक्षा की छाया से निकलकर विकास, अवसर और आत्मविश्वास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह की पहल बस्तर के युवाओं को नई दिशा देंगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सचिन तेंदुलकर द्वारा बच्चों के बीच जाकर समय बिताना, उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित करना और उनके भीतर आत्मविश्वास का संचार करना इस अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। इससे न केवल खेल प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सचिन तेंदुलकर का बस्तर आगमन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और उनका आगमन यहां के बच्चों एवं युवाओं के लिए प्रेरणा का एक सशक्त स्रोत बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन एवं माणदेशी फाउंडेशन द्वारा संचालित 'मैदान कप अभियान' खेल अधोसंरचना के विकास की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। विशेष रूप से जनजातीय अंचलों में बच्चों को खेल मैदान और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का यह प्रयास बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल और युवा विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा भविष्य में भी इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले का स्वामी आत्मानंद हिन्दी मिडियम हाई स्कूल छिंदनार गाँव बुधवार को एक ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बना, जहाँ क्रिकेट जगत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने सचिन तेंदुलकर एवं मानदेशी फाउंडेशन द्वारा निर्मित मल्टी-स्पोर्ट्स ग्राउंड का उद्घाटन किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर मानदेशी फाउंडेशन की फाउंडर चेतना सिन्हा भी सचिन के साथ मौजूद रहीं, जो इस क्षेत्र में बुनियादी विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में मिलकर कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में तेंदुलकर परिवार की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत में सचिन, सारा और सोनिया ने विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने न केवल बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित किया, बल्कि स्वयं भी उनके साथ शामिल होकर एक सकारात्मक वातावरण तैयार किया। कार्यक्रम के दौरान रस्साकशी, वॉलीबॉल, दौड़ और खो-खो जैसे रोचक खेल आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इन गतिविधियों से बच्चों में टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का विकास हुआ। साथ ही, सचिन, सारा और सोनिया के सहयोग से बच्चों को प्रोत्साहन मिला और वे नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुए। उल्लेखनीय है कि छिंदनार के गांव के ही छात्र छात्राएं भूमिका ठाकुर, नियासा मौर्य, निर्मला तरमा, पायल ठाकुर, सीताराम पुनर्म, अमित कुमार द्वारा श्री सचिन तेंदुलकर को खेल गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

मैदान के उद्घाटन के पश्चात सचिन तेंदुलकर ने देश की युवा प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भविष्य के चैंपियन तैयार करने के लिए केवल व्यक्तिगत जुनून पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर आधुनिक और सुदृढ़ खेल सुविधाओं का होना अनिवार्य है। इस दौरान सचिन ने खुद को केवल क्रिकेट पिच तक सीमित न रखते हुए वॉलीबॉल और अन्य मैदानी खेलों के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि विभिन्न खेलों में भागीदारी करने से खिलाड़ियों की रणनीतिक समझ और मानसिक परिपक्वता बढ़ती है। फाउंडेशन की इस दूरगामी पहल के तहत क्षेत्र के 50 गाँवों में इसी तरह के खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं, जहाँ क्रिकेट के साथ-साथ फुटबॉल और कबड्डी जैसी विधाओं को भी समान रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही सचिन तेंदुलकर ने छात्रों को प्रेरणा देते हुए कहा कि उन्होंने एक अपनी जीवन की शुरुआत मैदान से ही प्रारंभ किया था और आज इन सभी बच्चों को देख कर पुरानी यादें ताजा हो रही है। उन्होंने छात्रों को इंगित करने हुए कहा कि यहां सब ऐसे हीरे उपस्थित है जिन्हें तराशा जाना है क्योंकि हीरे की कीमत उसके पॉलिश करने के उपरांत ही होती है और उन्हें खुशी है कि माणदेशी फाउंडेशन के कोच बच्चों की प्रतिभा को तराशने का काम बखूबी कर रहे हैं उन्हेंने आगे कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत, अनुशासन और प्रतिभा का संगम ही व्यक्ति को ऊंचाइयों पर ले जाता है अतः सफलता के लिए जरूरी है कि हम शॉर्टकट न अपनाए और उपरोक्त सिद्धांतों पर अमल करें। इस मौके पर श्री तेंदुलकर ने अपने जीवन में पिता की भूमिका का भी स्मरण किया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी संतुलन बना कर चले। इसके अलावा श्री तेंदुलकर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के प्रारंभ होने में उनकी पत्नी अंजली का सर्वाधिक योगदान है। और अब उनकी पुत्री सारा, पुत्र अर्जुन, तथा बहु सानिया भी उसी नक्शे कदम पर चलकर फाउंडेशन कार्य को आगे बढ़ा रही हैं। अंत में उन्होंने कहा कि आज आपके बीच मुझे उपस्थित रहकर आपसे भी ज्यादा खुशी का अहसास हो रहा है इस दौरान बच्चों के द्वारा सचिन तेंदुलकर के आगामी जन्म दिवस को देखते हुए अग्रिम केक काटा गया। जिसके लिए सचिन तेंदुलकर ने बच्चों को धन्यवाद दिया। ज्ञात हो कि इस दौरान पूरा कार्यक्रम स्थल ''जन्म दिवस मुबारक हो'' के नारों से गूंज उठा। इसके साथ ही कार्यक्रम के समापन पर कलेक्टर द्वारा श्री तेंदुलकर को स्मृति चिन्ह के रूप में टेराकोटा शिल्प एवं छिंदनार के ग्राम वासियों द्वारा लौह शिल्प की कलाकृतियां दी गई। इसके अलावा कार्यक्रम मानदेशी फाउंडेशन द्वारा विभिन्न खेल जैसे रस्साकस्सी, बालिवाल, कबड्डी, दौड़ के विजेता प्रतिभागियों को सचिन तेंदुलकर के हाथों मोमेन्टो प्रदान किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि बस्तर अब नक्सल मुक्त होकर शांति और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य और संभावनाओं से भरपूर क्षेत्र है, जहां के बच्चों में अपार प्रतिभा है। सचिन एवं माणदेशी फाउंडेशन के माध्यम से बच्चों को खेलों के प्रति जो प्रेरणा मिल रही है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर बस्तर के बच्चे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। कलेक्टर ने युवाओं पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि खेल, शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा दी जा सकती है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सभी प्रतिभागियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह, आईजी बस्तर श्री सुंदरराज पी, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ श्री जयंत नाहटा, डीएफओ श्री रामकृष्ण रगंनाथा वाय, सहित जनप्रतिनिधि, सचिन एवं माणदेशी फाउंडेशन के कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

ज्ञानभारतम् सर्वेक्षण को रफ्तार : मुख्य सचिव विकासशील ने 31 मई तक हर हाल में पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर।

राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु चलाए जा रहे 'ज्ञानभारतम' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान को अब तेज गति देने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री विकासशील ने स्पष्ट कहा कि यह अभियान केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने का ऐतिहासिक प्रयास है। उन्होंने सभी जिलों को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर स्थिति में पूर्ण किया जाए।

बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति गठन, नोडल अधिकारी की नियुक्ति तथा सर्वेक्षण दलों के समुचित प्रशिक्षण को अनिवार्य बताया। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय संस्थानों के साथ-साथ मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों और निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों का सक्रियता से सर्वेक्षण किया जाए। परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक महत्व के क्षेत्रों को विशेष रूप से चिन्हित कर वहां छिपी ज्ञान-संपदा को सामने लाने पर भी जोर दिया गया। जनभागीदारी को अभियान की सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए 'पांडुलिपि ट्रेजर हंट' जैसे नवाचारों को लागू करने का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस सांस्कृतिक मिशन से जुड़ सकें। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की भी बात कही गई। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सर्वेक्षण के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का पूर्ण सम्मान किया जाएगा। बिना अनुमति किसी भी पांडुलिपि का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा और सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखी जाएगी। इस अवसर पर पर्यटन, संस्कृति एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सर्वेक्षण न केवल पांडुलिपियों के संरक्षण में सहायक होगा, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि शोधकर्ताओं के सहयोग से दूरस्थ अंचलों से महत्वपूर्ण पांडुलिपियों की जानकारी एकत्र की जा सकती है, जिससे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी, संचालक संस्कृति श्री विवेक आचार्य सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल रमेन डेका से नो प्लास्टिक कैंपेन की ब्रांड एंबेसडर श्रीमती आप्टे ने की मुलाकात

रायपुर।

राज्यपाल रमेन डेका से लोकभवन में नो प्लास्टिक अभियान की ब्रांड एंबेसडर श्रीमती शुभांगी आप्टे ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने रायपुर नगर निगम क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों और जनजागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी। श्रीमती आप्टे ने बताया कि अब तक वे स्कूलों, बैंकों, बाजारों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 55 हजार से अधिक कपड़े की थैलियों का वितरण कर चुकी हैं, ताकि लोगों को प्लास्टिक उपयोग से दूर किया जा सके। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल लिपि में 6 पुस्तकों का प्रकाशन कराया गया है। साथ ही शासकीय अस्पतालों में जरूरतमंद माताओं और नवजात शिशुओं के लिए जच्चा-बच्चा किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। राज्यपाल ने उनके सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। ज्ञातव्य है कि श्रीमती आप्टे नगर निगम के स्वच्छता अभियान की ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

सुशासन तिहार की तैयारी: ग्राम पंचायतों में आवेदन संग्रहण प्रारंभ

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार आगामी सुशासन तिहार के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्व तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। इसी क्रम में 22 से 29 अप्रैल तक जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में हल्का पटवारी एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण हेतु आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देशों के तहत आज जिले के विभिन्न तहसीलों में ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित कर नागरिकों से आवेदन लिए गए। इस दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त आवेदनों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित विभागों को निराकरण हेतु अग्रेषित किया जाएगा, ताकि समय-सीमा में उनका समुचित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि 01 मई से जिले में सुशासन तिहार का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाना है।

लगभग 920 करोड़ रुपए का होगा संभावित भुगतान

हरा सोना संग्राहकों की आय बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम, तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में जुड़े 13 लाख से अधिक तेन्दूपत्ता संग्राहक परिवार

रायपुर।

छत्तीसगढ़ और अन्य वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता को हरा सोना कहा जाता है, जो आदिवासियों और वनवासियों की आजीविका का मुख्य साधन है। हाल के नीतिगत बदलावों और सरकारी पहलों के कारण इन संग्राहकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 920 करोड़ रुपये का भुगतान होने का अनुमान है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा लघु वनोपज संग्राहकों, विशेषकर आदिवासी समुदाय की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेन्दूपत्ता संग्रहण दर में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 से प्रति मानक बोरा की दर 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 5 हजार 500 रुपए कर दी गई है, जिसका सीधा लाभ लाखों ग्रामीण परिवारों को मिलेगा। वर्ष 2026 में राज्य के 31 जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के अंतर्गत 902 प्राथमिक समितियों में तेन्दूपत्ता संग्रहण कार्य प्रस्तावित है। इस वर्ष लगभग 15 लाख से अधिक मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का अनुमान है। एक मानक बोरे में 1000 गड्डियां होती हैं और प्रत्येक गड्डी में 50 पत्ते शामिल रहते हैं। बस्तर संभाग के 10 जिला यूनियनों की 216 समितियों में करीब 4 लाख मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अन्य 21 यूनियनों की 868 समितियों में लगभग 11 लाख मानक बोरा संग्रहण होने की संभावना है। इस कार्य से प्रदेश के 13 लाख से अधिक संग्राहक परिवार जुड़े हैं। बस्तर संभाग में वर्ष 2025 के 3.90 लाख परिवारों की तुलना में इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 4.04 लाख हो गई है। इस साल अब तक 14 हजार 57 नए परिवार इस कार्य से जुड़े हैं।

नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र में पहली बार 10 नए फड़ों की स्थापना की गई है, जहां 2100 से अधिक मानक बोरा संग्रहण का अनुमान है। इसके अलावा सुकमा और केशकाल क्षेत्रों में भी नए फड़ जोड़े गए हैं। पिछले वर्ष नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बाधाओं के कारण 351 फड़ों में संग्रहण नहीं हो सका था, लेकिन इस वर्ष सभी फड़ों में कार्य शुरू करने के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। संग्रहण कार्य को सुचारू बनाने के लिए संग्राहक कार्ड, बोरा, सुतली, गोदाम और परिवहन जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही तेन्दूपत्ता के भंडारण का बीमा भी कराया जा रहा है।

पहलगाम हमला

हजारों लोगों से पूछताछ, सैकड़ों पन्नों का आरोप पत्र; एनआईए जांच की पूरी कहानी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को एक साल हो गया है। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान गई थी। इस हमले की जांच का दायरा स्थानीय स्तर से शुरू होकर सीमा पार तक पहुंच गया है। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए मामले की जांच में जुटी है, जिसने हमले में लश्कर और उसके सहयोगी संगठनों की भूमिका को लेकर सबूत दिए हैं।

गृह मंत्रालय के आदेश पर 27 अप्रैल को एनआईए ने आधिकारिक तौर पर जांच अपने हाथ में ली थी। हालांकि, इससे पहले ही एनआईए की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई थी और सबूत जुटाने में लगी थी। एनआईए ने बैसरन घाटी में घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच और डिजिटल मैपिंग कराई। खून से सने कपड़ों और धब्बों की डीएनए जांच कराई गई। मौके पर पड़े खाली कारतूसों को जब्त किया गया और मोबाइल डेटा की जांच की गई।

एनआईए ने इस हमले में मारे गए लोगों के परिजनों, खच्चर वाले, फोटोग्राफर, दुकानदार, होटल वाले और स्थानीय लोगों समेत 3,000 से ज्यादा लोगों से 1,000 घंटे से ज्यादा पूछताछ की। पहलगाम में लगे कैमरों के फुटेज को खंगाला गया, बैसरन घाटी से निकलने वाले करीब 58 रास्तों के एंट्री और एक्जिट प्वाइंट को चेक किया गया। एनआईए ने शुरुआती एक महीने में ओवरग्राउंड वर्कर्स समेत 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया।

24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 आतंकियों के स्कैच जारी किए। इनके नाम आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई थे। इनके बारे में सूचना देने वालों को 20-20 लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की गई। इसी दौरान एक फोटो भी सामने आया, जिसमें 4 आतंकी जंगल में राइफल लिए खड़े हैं। इसमें इन तीनों आतंकियों के अलावा जुनैद अहमद भट्ट भी था।

22 जून, 2025 को एनआईए को बड़ी कामयाबी मिली। तब एजेंसी ने बशीर अहमद और उसके भाई परवेज अहमद को गिरफ्तार किया। दोनों ने बताया कि पहलगाम हमले के तीनों आतंकी 21 अप्रैल 2025 की रात करीब 8 बजे बैसरन से 2 किलोमीटर दूर परवेज की ढोंक में आए थे। इन्होंने ये भी बताया कि आतंकियों के पास राइफल थी और 2 आतंकियों ने काले कपड़े पहने थे। दोनों से एनआईए को आतंकियों के बारे में कई अहम जानकारियां मिलीं।

एक तरफ एनआईए जांच में जुटी थी, तो दूसरी तरफ भारतीय सेना ने आतंकियों को घेरने के लिए ऑपरेशन महादेव शुरू किया। लगातार दक्षिणी कश्मीर के दुर्गम जंगलों में तलाशी अभियान चलाया गया। शुरुआत में यह अभियान 300 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा इलाके में फैला हुआ था, लेकिन लगातार निगरानी और सेना की सटीक तैनाती की वजह से दायरा छोटा होता गया। आखिरकार 29 जुलाई को सेना ने सुलेमान उर्फ फैजल जट्ट, अफगान और जिब्रान को मार गिराया।

एनआईए ने दिसंबर, 2025 में 1,597 पन्नों का आरोप पत्र दायर किया। इसमें मारे गए 3 आतंकियों समेत 7 आतंकियों को आरोपी बनाया गया। इनमें सैफुल्लाह साजिद जट्ट का भी नाम शामिल है, जो लश्कर में हाफिज सईद के बाद तीसरे नंबर का नेता है। एनआईए ने कहा कि ये घटना पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की व्यापक और समन्वित आतंकी रणनीति का हिस्सा थी। एनआईए फिलहाल व्यापक आतंकी नेटवर्क को लेकर जांच कर रही है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के इंदिरा भवन में आयोजित राष्ट्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग कांग्रेस सलाहकार परिषद की बैठक के दौरान संबोधित करते हुए । साथ में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी नज़र आ रहे हैं।

2006 मालेगांव ब्लास्ट केस

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, चार आरोपी हुए बरी

मुंबई (एजेंसी)। 2006 के मालेगांव ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने बुधवार को चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द कर करते हुए उन्हें बरी कर दिया। मालेगांव में इन धमाकों में 37 लोगों की जान चली गई थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस श्याम चांदक की डिवीजन बेंच ने आरोपियों की ओर से एक स्पेशल कोर्ट के सितंबर 2025 के उस आदेश के खिलाफ दायर अपीलों पर यह फैसला सुनाया, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय किए गए थे। इस अपील में ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप तय करने के तरीके और मामले में कई सह-आरोपियों को बरी किए जाने पर भी सवाल उठाए गए थे। फिलहाल, हाईकोर्ट ने जिन चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने वाले आदेश को रद्द किया है, उनमें राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवारिया और लोकेश शर्मा शामिल हैं। हाईकोर्ट के फैसले से इन आरोपियों के खिलाफ मामला बंद हो गया और उनके खिलाफ चल रहा ट्रायल भी खत्म हो गया।

बेंच ने इससे पहले अपील दायर करने में हुई 49 दिन की देरी को माफ कर दिया था, यह देखते हुए कि यह चुनौती राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम की धारा 21 के तहत एक वैधानिक अपील थी।

मालेगांव मामला 8 सितंबर 2006 का है, जब इस शहर में हुए सिलसिलेवार धमाकों के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और अन्य कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच सबसे पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया और दिसंबर 2006 में चार्जशीट दायर की। इसके बाद फरवरी 2007 में जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई और बाद में एनआईए ने इसे अपने हाथ में ले लिया। एनआईए ने आगे की जांच के बाद अन्य आरोपियों के साथ-साथ इन चारों को भी आरोपी बनाया था और एक नई चार्जशीट दायर की थी।

ऑपरेशन थिएटर में गुंडागर्दी

सर्जरी के बीच नर्सिंगकर्मियों को पीटा; मरीज की जान पर बनी

जोधपुर (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त महात्मा गांधी अस्पताल में रात सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए कुछ बदमाशों ने ऑपरेशन थिएटर के भीतर घुसकर जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने न केवल ड्यूटी पर तैनात नर्सिंगकर्मियों के साथ मारपीट की, बल्कि बीच ऑपरेशन में बाधा डालकर टेबल पर लेटे मरीज की जान भी जोखिम में डाल दी।

अस्पताल के कर्मचारी मोन्टू द्वारा सरदारपुरा थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, 20 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे ऑर्थोपेडिक ओटी में डॉक्टरों की टीम (डॉ. विकास, डॉ. दुष्यंत और डॉ. आर्यन) नर्सिंग स्टाफ विष्णु गौतम व राहुल पंवार के साथ एक मरीज की सर्जरी कर रही थी। इसी दौरान सन्नी नामक व्यक्ति अपने 3-4 साथियों के साथ बिना अनुमति और बिना स्टरलाइज हुए सीधे ओटी के भीतर घुस गया। बदमाशों ने ओटी में मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से अस्पताल कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। बदमाशों ने कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी भी दी। विशेषज्ञों के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान बाहरी लोगों के इस तरह प्रवेश करने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जो मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता था। सरदारपुरा थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय न्याय संहिता की निम्नलिखित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

सेना ने भुज में दिखाई विध्वंसक ताकत

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से पहले किया शक्ति प्रदर्शन

भुज (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से पहले भारतीय सेना ने अपनी ताकत और तैयारियों का दमदार प्रदर्शन किया है। सेना की एयर डिफेंस रेजिमेंट ने L70 एयर डिफेंस गनों का प्रदर्शन किया, जो ऑपरेशन के दौरान दुश्मन के ड्रोन हमलों को नाकाम करने में बेहद अहम साबित हुई थीं। इसके साथ ही ड्रोन की ताकत दिखाई और जल एवं जमीन दोनों पर ऑपरेशन का अभ्यास किया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए एडवांस ड्रोन तैनात किए थे। इनका इस्तेमाल निगरानी के साथ ही टारगेट की पहचान और रियल-टाइम खुफिया जानकारी जुटाने के लिए किया गया। दुर्गम इलाकों में सेना को अपने ऑपरेशन में इन ड्रोन्स से काफी मदद मिली थी।

वहीं अपनी ताकत और तैयारियों के प्रदर्शन के दौरान सेना ने जल-आधारित ऑपरेशनों में भी अपनी ताकत दिखाई। इस दौरान सैन्य दस्ते ने उथले पानी में तेज गति से चलने वाली असॉल्ट बोट्स के जरिए दुश्मन के खिलाफ कार्रवाई का अभ्यास किया। ऑपरेशन के दौरान इन नावों को हाई अलर्ट पर रखा गया था, ताकि किसी भी दुश्मन जहाज को सीमा के करीब आने से रोका जा सके। भारतीय सेना ने एम्फीबियस ऑपरेशन यानी जल और थल दोनों का भी अभ्यास। इस दौरान जमीन और पानी दोनों मोर्चों पर दुश्मन पर कब्जा जमाने की रणनीति दिखाई गई। सेना के इस अभ्यास और ताकत प्रदर्शन ने यह साबित किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने क्रीक एरिया में जमीन और पानी दोनों जगह अपना दबदबा कायम रखा।

कर्नाटक के गृह मंत्री पर एफआईआर के आदेश, कबड्डी में 500 रुपये की शर्त लगाकर मुश्किल में फंसे जी परमेश्वर

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं. मंगलवार को एक स्थानीय अदालत ने तुमकुरु पुलिस को उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और जांच करने का आदेश दिया. उन पर अपने गृह जिले तुमकुरु में एक स्थानीय कबड्डी मैच के दौरान सट्टेबाजी में 500 रुपये हारने का दावा करने का आरोप है.

एच आर नागभूषण नामक शख्स की निजी शिकायत पर सुनवाई करते हुए, जिसमें परमेश्वर के खिलाफ अवैध सट्टेबाजी में शामिल होने के लिए कार्रवाई की मांग की गई थी, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के एन शिवकुमार ने तुमकुरु पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने और परमेश्वर तथा तुमकुरु के उपायुक्त के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया. यह घटना हाल ही में 19 अक्टूबर 2025 को तुमकुरु में आयोजित एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान हुई थी. इस दौरान जी. परमेश्वर ने जिला कलेक्टर के साथ 500 रुपए की एक छोटी सी शर्त लगाई थी. विजयपुरा और दक्षिण कन्नड़ टीमों के बीच एक कबड्डी मैच के बाद, परमेश्वर ने मीडिया के सामने दावा करते हुए कहा था कि, वह 500 रुपये हार गए. परमेश्वर ने कहा कि, जिला कलेक्टर और उन्होंने शर्त लगाई थी. परमेश्वर शर्त हार गए थे.

न्यूज चैनलों पर उनके बयान दिखाए जाने के बाद, नागभूषण ने होम मिनिस्टर और जिला कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन पर खुलेआम सट्टेबाजी में शामिल होने और इसे बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया. नागभूषण ने दावा किया कि बीएनएस एक्ट की धारा 112(2) और 45 के तहत यह एक सजा का अपराध है. हालांकि, पुलिस ने शिकायत को यह कहते हुए बंद कर दिया कि यह बेबुनियाद है और इसके लिए संबंधित अधिकारी से पहले से मंजूरी नहीं ली गई है, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया. कोर्ट ने कहा कि चूंकि अपराध गृह मंत्री और जिला कलेक्टर के काम के दायरे में नहीं आते हैं, इसलिए संबंधित अधिकारियों से पहले से मंजूरी जरूरी नहीं है और तुमकुरु जिले के कोराटागेरे तालुक में कोडागेहल्ली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और जांच शुरू करने का आदेश दिया.

मुंबई में कैबिनेट मंत्री ने निकाली रैली; ट्रैफिक में फंसी महिला ने फटकारा, कहा- गेट आउट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में महिला आरक्षण विधेयक को लेकर निकाली जा रही रैली के कारण ट्रैफिक जाम में फंसी महिला बुरी तरह नाराज हो गई। उसने सड़क पर साक्षात्कार दे रहे जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन को फटकार लगाते हुए रास्ता खाली करने को कहा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें लोग महिला की तारीफ कर रहे हैं और मंत्री से भिड़ने के कारण उसकी हिम्मत की दाद दे रहे हैं। वर्ली में महिला आरक्षण के समर्थन और विपक्ष के विरोध में रैली निकाली जा रही थी, जिससे ट्रैफिक जाम लग गया। इस बीच कैप पहने एक महिला गुस्से में आई और मंत्री से अंग्रेजी में बोली, मैदान में जाकर बोलिए, ट्रैफिक रोककर नहीं। क्या तुम्हें समझ नहीं आया? सैकड़ों लोग फंसे हैं। यहां से चले जाओ। इसके बाद मंत्री आगे बढ़ते दिखते हैं। पुलिस महिला को शांत कराने की कोशिश करती है तो महिला उन्हें भी फटकारती है। महिला को वीडियो में कहते सुना जा सकता है कि वह अपनी बेटी को लेने जा रही थी, लेकिन ट्रैफिक जाम के कारण एक घंटे से सड़क पर फंसी थी।

दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी संग नौकर ने कैसे किया इतना बड़ा कांड, चाबी वाली गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सुबह एक IRS अधिकारी के घर जिस खौफनाक घटना को अंजाम दिया, उसने राजधानी ही नहीं पूरे देश को चिंता में डाल दिया है। खासकर उन लोगों को जो अपने दैनिक कामकाज के लिए घरेलू सहायकों की मदद लेते हैं। कुछ समय पहले काम से निकाले गए एक नौकर ने ना सिर्फ अधिकारी के घर में लूटपाट की, बल्कि उनकी 22 साल की होनहार बेटी की जान ले ली। आशंका यह भी है कि उसने गला घोंटने से पहले पीड़िता पर यौन हमला भी किया। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आईआरएस अधिकारी जिम जाते हुए चाबी को उसी जगह रख गए थे, जहां वह पहले रखते थे। पुराने नौकर को हटाने के बाद उन्होंने इसकी जगह नहीं बदली थी।

पुलिस की शुरुआती जांच और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ से पता चला कि उसने पीड़िता को काबू करने के लिए पहले उसके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया और फिर चार्जर केबल से उसका गला घोंट दिया। द्वारका के एक होटल में करीब 12 घंटे बाद गिरफ्तार हुए आरोपी नौकर को आईआरएस अधिकारी ने डेढ़ महीने पहले काम से हटा दिया था। पैसों के लेनदेन में गड़बड़ी करने पर उसे हटाया गया था। जुए और उधार में फंस चुका आरोपी राहुल मीणा खौफनाक घटना को अंजाम देने के बाद घर से 2.5 लाख रुपये कैश और कुछ गहने लेकर फरार हो गया था। जॉइंट सीपी विजय कुमार ने कहा कि आरोपी के खिलाफ रेप, हत्या और लूट जैसे आरोपों में बीएनएस की कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा ज़िले के छिंदनार में एक मैदान में बच्चों के साथ रस्साकशी खेलते हुए।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अवमानना की याचिका पर सुनवाई से जज ने खुद को किया अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस तेजस करिया ने अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के दूसरे नेताओं और पत्रकार के खिलाफ जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच में हुई सुनवाई के वीडियो अपलोड करने पर कोई की अवमानना की कार्यवाही शुरु करने की मांग करने वाली याचिका की सुनवाई से हट गए हैं.

अब इस याचिका पर वो बेंच सुनवाई करेगी जिस बेंच के सदस्य जस्टिस तेजस करिया नहीं होंगे. याचिका वकील वैभव सिंह ने दायर किया है. याचिका में दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से केजरीवाल को बरी करने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को हटने की मांग की सुनवाई के वीडियो रिकॉर्ड कर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने पर आपत्ति जताई गई है. याचिका में केजरीवाल और पत्रकार के अलावा कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, आम आदमी पार्टी के मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, संजीव झा, पूरनदीप साहनी, जरनैल सिंह, मुकेश अहलावत और विनय मिश्रा के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई करने की मांग की गई है. याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट की कार्यवाही का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से हटाए जाएं. याचिका में केजरीवाल पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कोर्ट में बिना आधार के भ्रामक दलीलें दी. केजरीवाल ने कोर्ट का मान कम करने के लिए कई अनर्गल आरोप लगाए. याचिका में कहा गया है कि केजरीवाल की दलीलों को रिकॉर्ड कर उन्हें एक्स, फेसबुक , इंस्टाग्राम और यूट्यूब के विभिन्न चैनल्स पर अपलोड किया गया. ऐसा कर आम लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की गई। इसके जरिये कोर्ट और केंद्र सरकार पर अनावश्यक दबाव बनाने का प्रयास किया गया। इसके पहले याचिकाकर्ता वकील वैभव सिंह ने इसके पहले हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से शिकायत कर केजरीवाल और दूसरे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी.

बता दें कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने 20 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल की सुनवाई से हटने की मांग खारिज कर दिया था. जस्टिस शर्मा ने कहा था कि केवल अनुमान के आधार पर किसी मामले की सुनवाई से नहीं हटाया जा सकता है.

रोहित शर्मा का इस्तेमाल मुंबई को किस तरह से करना चाहिए, पूर्व भारतीय बैटिंग कोच ने दिया अहम सुझाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 का अपना 7वीं लीग मैच चेन्नई सुपर किंग्स के साथ खेलना है, लेकिन इस मुकाबले से पहले बड़ा सवाल ये है कि क्या रोहित खेलेंगे। रोहित का खेल देखने के लिए सब बेताब हैं और उनका मैदान पर नहीं उतरना क्रिकेट फैंस को नहीं भा रहा है।

इस महीने की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेलते हुए रोहित को हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी। तेज़शुरुआत करने के बाद चोट के कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था और तब से यह अनुभवी खिलाड़ी कई मैच नहीं खेल पाया है। इसके वजह से पिछले मैच में जीत की राह पर लौटने के बावजूद मुंबई को अपनी बैटिंग लाइन-अप में ऊपरी क्रम की रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ रहा है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर व टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगड़ का मानना है कि मुंबई के पास अभी भी रोहित के अनुभव का इस्तेमाल करने का एक तरीका है जिसमें कोई बेवजह का जोखिम भी न हो। उन्होंने सुझाव दिया कि टीम की लय को बनाए रखने के लिए एक लचीली भूमिका निभाना ही इसकी कुंजी हो सकती है। भले ही सिर्फ एक बैटर या इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही सही मुंबई को उन्हें इस्तेमाल करने के बारे में सोचना चाहिए।

संजय बांगड़ ने जियो हॉटस्टार पर आगे कहा कि टीम के लिए मजबूत शुरुआत बहुत जरूरी होती है और इस सीजन में जो टीमें सबसे ज्यादा कामयाब रही हैं उनकी बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही एक साथ जबरदस्त चल रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक मजबूत ओपनिंग पार्टनरशिप से मिडिल ऑर्डर पर दबाव कम हो सकता है। अगर रोहित और क्विंटन डिकॉक एक मजबूत ओपनिंग पार्टनरशिप बना पाते हैं तो इससे सूर्यकुमार यादव और मिडिल ऑर्डर पर दबाव कम हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इस अहम मोड़ पर मुंबई को रोहित की फिटनेस को लेकर एक सोचा-समझा रिस्क लेने के बारे में सोचना चाहिए और उन्हें एक इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। रोहित की चोट के बाद से मुंबई का सामना पंजाब किंग्स और गुजरात टायटंस से हुआ है और अपने पिछले मैच में 99 रनों की शानदार जीत दर्ज करके उन्होंने अपनी हार का सिलसिला तोड़ दिया है। मुंबई के लिए आत्मविश्वास कोई मुद्दा नहीं है। रन अहम खिलाड़ियों की तरफ से आ रहे हैं, जिसमें पिछले मैच में क्विंटन डिकॉक और उसके बाद वाले मैच में तिलक वर्मा के जबरदस्त शतक शामिल हैं।

रोहित नंबर 1, जडेजा अब यूसुफ पठान से आगे : आईपीएल 2026 के 32वें लीग मैच में राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रन से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मुकाबले में राजस्थान को जीत दिलाने में इस टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का अहम योगदान रहा जिन्होंने पहले 29 गेंदों पर नाबाद 43 रन की पारी खेली और फिर 4 ओवर में 29 रन देकर एक विकेट भी लिया। रवींद्र जडेजा को इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और आईपीएल में ये उनका 17वां प्लेयर ऑफ द मैच खिताब रहा। इसके साथ ही जडेजा ने सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में यूसुफ पठान से आगे निकल गए। हालांकि इस लीग में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में रोहित शर्मा पहले स्थान पर हैं।

सबसे अधिक बार प्लेयर ऑफ द मैच जीतने का खिताब रोहित के पास

आईपीएल में बतौर भारतीय खिलाड़ी रहित शर्मा ने सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने का गौरव अब तक हासिल किया है। रोहित शर्मा ने ये कमाल अब तक खेले मैचों में कुल 21 बार किया है और पहले नंबर पर हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने कुल 19 बार प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने का कमाल किया है। वहीं इन दोनों के ठीक नीचे यानी तीसरे स्थान पर एमएस धोनी हैं जिन्होंने ऐसा 18 बार किया है। रविंद्र जडेजा ने लखनऊ के खिलाफ 17वीं बार आईपीएल में प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने का कमाल किया और इस लिस्ट में चौथे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने यूसुफ पठान को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने ऐसा 16 बार किया था और वो पांचवें नंबर पर अब आ गए। इस सूची में केएल राहुल छठे स्थान पर हैं जिन्होंने ये खिताब इस लीग में अब तक 15 बार जीते हैं जबकि सुरेश रैना ने 14 बार ये खिताब जीते थे और वो लिस्ट में 7वें स्थान पर हैं।

अर्जेंटीना से हार नहीं, सीख लेकर लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम

मुमताज खान बोलीं- अब वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स में नतीजे देने की बारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम हाल ही में अर्जेंटीना दौरे पर भले ही सीरीज अपने नाम नहीं कर पाई हो, लेकिन वह इसे हार नहीं, बल्कि सीख के रूप में देख रही है। टीम की फॉरवर्ड मुमताज खान का मानना है कि दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबलों ने खिलाड़ियों को बहुमूल्य अनुभव दिया है।

मुमताज खान के मुताबिक, अब टीम की नजर आगामी बड़े टूर्नामेंट्स पर है, जहां भारतीय खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करते हुए ठोस नतीजे देने के लिए तैयार हैं। मुमताज खान ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 और एशियाई खेलों की तैयारियों को लेकर भी जनसत्ता से खुलकर बात की।

मुमताज खान ने अर्जेंटीना दौरे के बारे में बताया, ''मैच खेलकर काफी सारा अनुभव मिला है। दुनिया की नंबर दो टीम के साथ मैच खेलने के बाद बहुत आत्मविश्वास आया है। हमारी टीम वैसे भी क्वालिफायर में खेली थी। वहां भी अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, उससे अच्छे हमें अभी चार मुकाबले खेलने को मिले।'' मुमताज ने बताया, ''हमने अर्जेंटीना की टीम से सीखा है। मतलब उनकी खिलाड़ी कैसे गेंद को अपने कब्जे में रखती हैं। नॉन बॉल पोजिशन कैसे रखती हैं, तो उनसे भी काफी चीजें सीख कर आ रहे हैं। कहां इम्प्रूव करना है, वह भी कर सकते हैं। लर्निंग पॉइंट बहुत सारे सीख कर आये हैं। मुझे लगता है कि ये जो मैच खेले हैं, आने वाले समय में अभी काफी सारे प्रैक्टिस मैच भी खेलने हैं... तो काफी सारे प्लस पॉइंट आ सकते हैं।'' भारत बनाम अर्जेंटीना महिला हॉकी टीम के खिलाफ चार मैच की सीरीज में भारत ने एक मैच जीता, जबकि एक मैच ड्रॉ कराया। भारत को दो मैच में हार भी झेलनी पड़ी। भारत ने जो मैच जीता था उसमें तय समय तक स्कोर 0-0 था, लेकिन शूटआउट में भारतीय महिलाएं बाजी मारने में सफल रहीं। जिन दो मुकाबलों में भारत हारा, उसमें भारतीय टीम से कहां चूक हुई, के सवाल पर मुमताज खान ने इसकी एक वजह 36 घंटे के सफर को भी बताया। मुमताज खान ने कहा, ''काफी लंबा... मतलब करीब डेढ़ दिन का सफर था। काफी दूर है अर्जेंटीना। उसमें काफी सारा मतलब... जेटलैग भी था। हालांकि, तालमेल बैठाया, लेकिन फिर भी तुरंत रिकवर नहीं हो पाए।''

मुमताज ने बताया, ''इसमें कोई शक नहीं कि अर्जेंटीना की टीम बहुत अच्छी है, लेकिन भारतीय टीम भी अच्छी है। वहां पर हम सीखने के लिए गए थे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कोई मैच जीते या हारे। हमें अपना इम्प्रूव करना है, क्योंकि हमारे पास अभी बहुत सारे टूर्नामेंट आ रहे हैं, एशियन गेम्स है, वर्ल्ड कप है, नेशंस कप है।''

वीडियो क्लिप देखकर सुधारी गलतियां: मुमताज खान

मुमताज ने बताया, ''हम एक टीम के रूप में यह सोचकर गए थे कि हमें यह देखना है कि कहां अच्छा कर सकते हैं और बतौर डिफेंडर, बतौर मिडफील्डर कहां और बेहतर कर सकते हैं। ...तो हम लोगों से डिफेंस और अटैक में थोड़ी गलती की। अटैकिंग में भी काफी सारे शॉट ऑन गोल थे, लेकिन वह गोल में बदल नहीं हो पाए। जो मैच हमने गंवाया हमारे कोच ने उसकी वीडियो क्लिप दिखाई। अगले मैच में हम लोगों ने उस चीज को स्वीकार किया कि हां हम यहां पर उपलब्ध रह सकते हैं। उस मैच में हमने वही काम किया तो बतौर टीम नतीजा लेकर आये।'

एलेस्टेयर कुक पर भड़के केविन पीटरसन

जैकब बेथल को आईपीएल छोड़ इंग्लैंड लौटने की दी थी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने जैकब बेथल को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 छोड़कर इंग्लैंड लौटने और काउंटी क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी। इसे लेकर कुक पर उनके साथी खिलाड़ी केविन पीटरसन ने निशाना साधा है। उन्होंने बेथल को आईपीएल न छोड़ने की सलाह दी है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हिस्सा बेथल को इस सीजन एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। यही कारण है कि कुक ने उन्हें आईपीएल छोड़कर इंग्लैंड लौटने और काउंटी खेलने की सलाह दी। बेथल ने भी साफ कर दिया है कि वह इंग्लैंड नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा कि न खेलने के बाद भी वह भारत में रहना उपयोगी है। अब बेथल के पक्ष में पीटरसन खड़े हो गए हैं, जो आईपीएल 2026 में कमेंट्री भी कर रहे हैं।

पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'एलेस्टेयर कुक को अंदाजा नहीं है कि आईपीएल में होना कैसा होता है। दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ियों के साथ समय बिताना कैसा होता है। इसलिए जैकब बेथल पर उनकी राय का कोई मतलब नहीं है। जैकब, भारत में ही रहो। मुझे पता है भले ही तुम खेल नहीं रहे हो तुम सीख रहे हो और एक बेहतर खिलाड़ी बनोगे।' एलेस्टेयर कुक न स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा था कि आईपीएल में बेथल नहीं खेल रहे हैं। उन्हें वापस आना चाहिए और वारविकशायर के लिए ओपन करके इंग्लैंड की मदद करनी चाहिए। कुक के अनुसार बेथल को इंग्लैंड के लिए टेस्ट में ओपनिंग करनी चाहिए।

जैकब बेथल क्या बोले?

जैकब बेथल ने एलेस्टेक कुक के बयान पर कहा कि वह इंग्लैंड के लिए नंबर-3 पर ही खेलना चाहेंगे। इस क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए साल की शुरुआत में बेथल ने शतक जड़ा था। आईपीएल में न खेलने पर बेथल ने कहा कि प्लेइंग 11 का हिस्सा न होने पर भी भारत में समय बिताना काफी फायदेमंद है।

नाद्रे बर्गर पर जुर्माना, ऋषभ पंत के विकेट से है कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर पर मैच फीस के 10 प्रतिशत का जुर्माना लगा है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 32वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया। बर्गर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को आउट करने के बाद पवेलियन लौटने का इशारा किया। इसके कारण अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन हुआ। इसके तहत ऐसी भाषा और इशारों पर रोक है, जिससे विपक्षी खिलाड़ी को गुस्सा आ सकता है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने लेवल-1 गलती स्वीकार ली। आईपीएल के नियमों के अनुसार लेवल-1 के उल्लंघन पर कोई सुनवाई नहीं होती। यह बाध्यकारी होता है। राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 40 रनों से हरा दिया। 159 रनों के लक्ष्य के जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 18 ओवर में 119 रन पर आउट कर दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की बल्लेबाजी काफी खराब रही। केवल मिचेल मार्श ही थोड़ा बहुत संघर्ष कर पाए। आयुष बडोनी, ऋषभ पंत और एडेन मार्कराम खाता नहीं खोल पाए।

लखनऊ सुपर जायंट्स की लगातार चौथी हार

लखनऊ सुपर जायंट्स इस हार के बाद अंक तालिका में 9वें नंबर पर है। वह 7 में से केवल 2 मैच जीती है। वह लगातार चार मैच हार गई है। राजस्थान रॉयल्स के 7 मैच में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं। वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। इससे पहले वह दो मैच हारी थी।

फर्राटा चैंपियन नित्या गांधे ने खोली तेलंगाना सिस्टम की पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी राज्य में खेलों को बढ़ावा देने में जुटे हैं। राज्यभर में नई प्रतिभाएं तलाशी जा रही हैं। इसके बावजूद सूबे के जो खिलाड़ी पहले से पदक जीत रहे हैं, उन्हें आवश्यक सुविधाएं नहीं मुहैया कराई जा रहीं। ऐसा भी नहीं कि खिलाड़ी आवाज नहीं उठा रहे, पर सुनवाई ही नहीं हो रही। यह कहना इंडियन एथलेटिक्स सीरीज 3 की 100 मीटर महिला दौड़ की विजेता नित्या गांधे का है। उन्होंने 'जनसत्ता' से बातचीत में कहा कि सरकार से जो मदद खिलाड़ियों को मिलनी चाहिए, वह नहीं मिल रही। सरकार से अपेक्षित सहयोग मिले तो तेलंगाना देश और दुनिया में पदकों से चमक उठेगा।

तेलंगाना की धाविका नित्या गांधे पांच साल से राष्ट्रीय कैंप में जी-जान से मेहनत कर रही हैं। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में 4म100 मीटर रिले में रजत पदक विजेता

नित्या का लक्ष्य सौ मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ने का है, लेकिन राज्य सरकार की बेरुखी से आहत हैं। नित्या का कहना है कि राज्य सरकार से वह सहयोग नहीं मिल रहा, जो अन्य राज्यों के खिलाड़ियों को मिलता है। तेलंगाना से बहुत कम खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचते हैं। हमें केवल प्रशिक्षण, प्रायोजक और चिकित्सा सहायता की सुविधाएं चाहिए। यदि सरकार खिलाड़ियों का सहयोग करेगी तो न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि पूरा राज्य पदक से चमक उठेगा। उन्होंने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा, ''पदक जीतने पर ही लोग उनसे संपर्क करते हैं, क्योंकि फोटो अखबार में छपता है, लेकिन असली मदद शून्य है।'' नित्या कहती हैं कि एथलेटिक्स की शुरुआत आईसीएससी स्कूल से हुई। उन्होंने कहा कि स्कूल में पीटी सर ने मेरी प्रतिभा को पहचाना। 10वीं के बाद एथलेटिक्स में करियर बनाने का फैसला किया, जिसमें परिवार, स्कूल और कालेज का पूरा साथ मिला। नित्या ने कहा कि तमाम मुश्किलों के बाद भी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) एचटीसी हैदराबाद में नागपुरी रामेश्वर सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण शुरू किया। उन्होंने बताया, ''मैंने अंडर-18 और अंडर-20 स्तर पर कई पदक जीते। कोविड-19 के बाद राष्ट्रीय शिविर पटियाला पहुंचीं, जहां से फिर प्रशिक्षण में तेजी आई।'' वर्तमान में नित्या के कोच श्रीनिवास हैं। नित्या कहती हैं कि श्रीनिवास सर ने मेरी हर खामियों को देखा, फिर उन पर काम किया और मुझे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया।

ओपन एआई ने इमेजेज 2.0 लॉन्च किया, मिलेगा अधिक रियल आउटपुट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिग्गज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई ने अपने प्लेटफॉर्म में इमेजेज 2.0 को लॉन्च किया है। यह एक अगली पीढ़ी का इमेज जनरेशन मॉडल है, जिसका उद्देश्य अधिक तर्क क्षमताओं के लिए सटीक, रियल और अधिक उपयोग विजुअल प्रदान करना है।

कंपनी ने बताया कि इमेजेज 2.0 निर्देशों का पालन करने और इमेज में मौजूद बारीक एलिमेंट्स को संभालने के तरीके में सुधार करता है। यह छोटे टेक्स्ट, आइकन और यूजर इंटरफेस एलिमेंट्स को पहले के मुकाबले अधिक सटीकता से प्रस्तुत करता है। साथ ही यह अलग-अलग अनुपात वाली इमेज को जनरेट करने में सक्षम है, जिसमें सोशल मीडिया ग्राफिक्स से लेकर प्रिजेंटेशन शामिल हैं। कंपनी के मुताबिक, इसमें एक बड़ा अपडेट सोचने की क्षमता है। यह मॉडल रियल-टाइम जानकारी के लिए वेब सर्च मॉडल का उपयोग करने में सक्षम है और एक ही प्रोम्प्ट से कई अलग-अलग इमेज जनरेट कर सकता है। ओपनएआई के मुताबिक, चैटजीपीटी इमेजेज 2.0 अलग-अलग भाषाओं में भी प्रदर्शन करने में सक्षम है। यह मॉडल जापानी, कोरियाई, चीनी, हिंदी और बंगाली भाषाओं में तस्वीरों के अंदर टेक्स्ट को अधिक सटीकता के साथ जारी कर सकता है। विजुअल क्वालिटी के मामले में, इमेजेज 2.0 फोटोग्राफ, सिनेमाई स्टिल्स, मंगा और पिक्सेल आर्ट जैसे फॉर्मेट में बेहतर रियल और सटीक विजुअल प्रदान करता है, साथ ही प्रकाश, बनावट और बारीक विवरणों को बेहतर ढंग से संभालता है। कंपनी ने बताया कि इमेजेज 2.0 यूआई स्क्रीनशॉट, मैगजीन लेआउट, इन्फोग्राफिक्स, हाथ के लिखे नोट्स, कॉमिक्स और मंगा, विज्ञापन और सिनेमाई विजुअल जैसे विभिन्न उपयोगों और स्टाइल के साथ-साथ कैनवा, फिग्मा और एडोब जैसे प्लेटफार्मों पर डिजाइन वर्कफ्लो को आसान बनाता है।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छी खबर, मिचेल स्टार्क को खेलने की मिली अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026में लगातार हार का सामना कर रही दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छी खबर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से आईपीएल 2026 में खेलने की अनुमति मिल गई है। वह जल्द अक्षर पटेल की अगुआई वाली टीम से जुड़ सकते हैं। स्टार्क कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे थे। स्टार्क को यह चोट ऑस्ट्रेलिया के 2025-26 सीजन में लगी थी। इस दौरान वह इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज खेले थे। जोश हेजलवुड-पैट कमिंस की अनुपस्थिति में स्टार्क पांचों टेस्ट खेले थे। ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से सीरीज जीतने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद वह बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए भी खेले। स्टार्क एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते दिख सकते हैं। वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगे। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। टीम 6 में से तीन मैच हारी और तीन जीती है। लगातार दो मैच जीतकर सत्र का शुरुआत करने वाली दिल्ली कैपिटल्स बीते चार में से तीन मैच हारी है। अंक तालिका में पांचवें नंबर पर है। उसे 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स से भिड़ना है।

मिचेल स्टार्क का आईपीएल में प्रदर्शन

दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 से पहले मिचेल स्टार्क को अपने साथ जोड़ा था। उन्होंने 11 मैच में 26.14 के औसत और 10.17 के इकॉनमी से 14 विकेट लिए थे। वह ऑपरेशन सिंदूर के बाद आईपीएल 2026 फिर से शुरू होने पर भारत नहीं लौटे थे। स्टार्क ने आईपीएल में 52 मैच खेले हैं और 23.12 के औसत और 8.61 के इकॉनमी से 65 विकेट झटके हैं। स्टार्क का यह पांचवां आईपीएल सीजन होगा। इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा रहे हैं।

संपादकीय

अमेरिकी शर्तों पर वार्ता

संभवत: पाकिस्तान ने इस सोच के साथ मध्यस्थ बनना स्वीकार किया था कि अमेरिका की शर्तें ही वार्ता का आधार बनेंगी, जिन पर ले-देकर सहमति बन जाएगी। लेकिन ईरान के इरादे अलग हैं। वह आर-पार की लड़ाई के मूड में है। पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म कराने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता किसी नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखती। अमेरिका की शर्तें उसने ईरान को बताईं, मगर ईरान ने उसे ठुकराते हुए अपनी जवाबी मांग पाकिस्तान को बता दी।

पाकिस्तान उस पर अमेरिका से बातचीत करने की हैसियत में है या नहीं, यह नहीं मालूम। मगर इस बीच उसने अपने यहां तीन अन्य देशों (सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये) के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की। समझा जाता है कि उसके नतीजों को लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार बीजिंग गए। लेकिन वहां जारी साझा बयान से नहीं लगता कि चीन ने उसमें दिलचस्पी दिखाई है। साझा बयान में सामान्य भाषा का इस्तेमाल किया गया है। समझा जाता है कि पाकिस्तान ने चीन से आगे ईरान पर हमला ना होने की गारंटी करने की जिम्मेदारी लेने का अनुरोध किया। मगर फिलहाल चीन ने इस ठुकरा दिया है। दरअसल, पश्चिम एशिया में अमेरिकी अड्डे स्थायी रूप से हटाने, नुकसान का मुआवजा देने, और होरमुज जलडमरूमध्य पर ईरानी संप्रभुता को मान्यता देने की ईरान की मांगों पर कोई रजामंदी जब तक नहीं होती, आगे हमला ना होने की गारंटी कोई नहीं कर सकता।

इन मांगों पर बातचीत से सहमति बनेगी, इसकी संभावना न्यूनतम है। अत: लड़ाई तुरंत खत्म होने की कोई सूरत नहीं है। बेशक, अमेरिका में बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर डॉनल्ड ट्रंप युद्ध से निकलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं, मगर लड़ाई में इजराइल भी शामिल है। ईरान की जीत की धारणा को पुष्ट करते हुए वह युद्ध खत्म करने को शायद ही तैयार होगा। दरअसल, ऐसा हुआ तो इजराइल का अस्तित्व खतरे में पड़ता दिखेगा, जिसे अभी चार तरफ से (ईरान, हिज्बुल्लाह, हूती और इराक स्थित पीएमएफ) हमलों को झेलना पड़ रहा है। इसलिए, मध्यस्थता प्रयासों के फिलहाल सफल होने की संभावना कम है। चीन की कूटनीतिक प्रतिक्रिया इसी आकलन का संकेत देती है। संभवत: पाकिस्तान ने इस सोच के साथ मध्यस्थ बनना स्वीकार किया कि अमेरिका की शर्तें ही वार्ता का आधार बनेंगी, जिन पर ले-देकर सहमति बन जाएगी। लेकिन ईरान के इरादे अलग हैं। वह आर-पार की लड़ाई के मूड में है।

ब्रिगेड मैदान की जंग में ममता बनाम अमित शाह की जंग

साल 2021 के विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद कहा गया था कि बीजेपी चुनाव जीतते-जीतते हार गई है। ममता का संघर्ष बीजेपी की रणनीतियों पर भारी पड़ गया था। पांच साल बाद कोलकाता के रायटर्स बिल्डिंग पर कब्जे को लेकर सेनाएं सज गई हैं। लेकिन इस बार हालात बदले नजर आ रहे हैं। इसकी वजह अमित शाह का चुनाव प्रचार की कमान खुद संभालना है, जिन्होंने 170 सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय कर रखा है। पिछले विधानसभा चुनाव में पिछड़ने के बावजूद अमित शाह ने राज्य की यात्राएं जारी रखीं और इसके जरिए अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित बनाए रखा। इस बार बीजेपी अगर सत्ता की प्रबल दावेदार के रूप में उभरी है तो इसकी बड़ी वजह बूथ प्रबंधन तो है ही, घुसपैठ और महिला सुरक्षा को मुद्दा बनाना भी है। बंगाल के बारे में कहा जाता है कि वह जो आज सोचता है, पूरा देश उस पर बाद में आगे बढ़ता है। शक्ति पूजा की संस्कृति वाले राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ममता के राज में कई बार सवाल उठे। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में रेजिडेंट डाक्टर से दुष्कर्म और बर्बर हत्या के बाद अंग्रेजों की पहली राजधानी का भद्रलोक उद्वेलित हो उठा। अभी इसकी आंच ठंडी पड़ी नहीं कि कस्बा लॉ कालेज की छात्रा के साथ बलात्कार हुई। इसके पहले संदेशखाली में हुई कथित तौर पर यौन हिंसा और ज़मीन हड़पने के मामलों से पश्चिम बंगाल का समाज उद्वेलित रहा। अमित शाह के बार-बार के बंगाल दौरे के चलते बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने महिला सुरक्षा के मसले को कभी धीमा नहीं पड़ने दिया। इन्हीं वजहों से महिला सुरक्षा को लेकर तृणमूल कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की 2023 की रिपोर्ट भी राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की ही तसदीक करती है, जिसके अनुसार, राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34,691 मामले दर्ज किए गए और एसिड हमलों में इसका हिस्सा सबसे ज़्यादा करीब 27.5 प्रतिशत रहा। बीजेपी को महिला सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाने में ममता बनर्जी के एक बयान से भी मिला, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाओं को शाम सात बजे के बाद बाहर नहीं निकलना चाहिए। बीजेपी ने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आरजी कर की पीड़िता की मां मंजू देवनाथ को पनियाहाटा से उम्मीदवार बनाकर एक तरह से राज्य की महिलाओं को संदेश दे दिया है, संदेश यह कि वह उनकी सुरक्षा के लिए संजीदा है। बीजेपी ने महिलाओं को लुभाने के लिए दुर्गा सुरक्षा दस्ते बनाने और नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का भी वादा किया है। इसके साथ ही महिलाओं को मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की तरह प्रतिमाह तीन हजार रूपए देने का वादा किया है। यहां याद रखना चाहिए कि ममता सरकार हर महीने महिलाओं को डेढ़ हजार रूपए दे रही है।

साल 2021 में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को 213 सीटें और करीब 44 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि बीजेपी को 38 प्रतिशत वोट के साथ 77 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। हालांकि 2016 के विधानसभा चुनावों के मुकाबले देखें तो पार्टी ने तीन सीट और करीब 28 प्रतिशत वोट की तुलना में बड़ी छलांग लगाई। अमित शाह ने इसी बुनियाद को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने की रणनीति बनाई। इसके तहत उन्होंने दो बातों पर जोर दिया। उन्होंने उन गढ़ों को और मज़बूत बनाने की रणनीति बनाई, जहां पहले से ही पार्टी मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन चुनाव क्षेत्रों में आधार बढ़ाने की कोशिश तेज की, जहां 2021 में वह बहुत कम अंतर से हारी थी। इसके साथ ही अमित शाह ने पार्टी के भीतर की गुटबाजी को भी सुलझाने की कोशिश की। राज्य में पार्टी के अध्यक्ष रहे दिलीप घोष के बारे में माना जा रहा था कि वे नाखुश हैं। अमित शाह ने उनसे मुलाकात करके तृणमूल से आए शुभेंदु अधिकारी से बीच उनके मतभेदों को दूर करने की कोशिश की।

ममता बनर्जी ने पिछली बार बंगाली माटी और मानुष यानी स्थानीय को मुद्दा बनाया था। उन्हें इस मुद्दे से पिछली बार मदद भी मिली। इस बार भी ममता विपक्ष यानी बीजेपी के नेताओं के बाहरी होने का आरोप लगा रही हैं। इसके जवाब स्वरूप अमित शाह ने ऐलान किया है कि अगर पश्चिम बंगाल में पार्टी सत्ता में आई तो राज्य का मुख्यमंत्री 'धरती का बेटा' यानी स्थानीय व्यक्ति ही बनेगा। पार्टी ने इस बार घुसपैठ को भी बड़ा मुद्दा बनाया है। राज्य में विशेष पुनरीक्षण अभियान के दौरान राज्य में नब्बे लाख वोटरों के नाम हटाने को लेकर ना सिर्फ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस समेत समूचा गैर बीजेपी दल मुद्दा बना रहे हैं। हालांकि अमित शाह चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर के कदम को सही बताया है। बीजेपी यहीं नहीं रूकी है, उसने वादा किया है कि अगर वह सत्ता में आई तो राज्य से अवैध घुसपैठियों की पहचान करेगी और उन्हें बाहर करेगी। इसके साथ ही पार्टी ने सत्ता में आने के पैंतालीस दिनों के अंदर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्र सरकार को जमीन देगी। बीजेपी ने इसके जरिए बांग्लादेश की ओर हो रही पशु तस्करी को रोकने का भी ऐलान किया है।

राज्य में भ्रष्टाचार को भी बड़ा मुद्दा बनाने में बीजेपी कामयाब रही है। इसमें अतीत में हुई भ्रष्टाचार की घटनाओं ने मदद की है। यहां का शिक्षक भर्ती घोटाला रहा, जिसकी सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने 26 हजार नौकरियां रद्द कर दी थी। इसके साथ ही राशन और मिड-डे मील, मनरेगा A जॉब कार्ड घोटाला भी सुर्खियां बनता रहा है। बीजेपी ने इस बार इसे भी मुद्दा बनाया है। इन मामलों में तृणमूल के बीस से ज्यादा नेताओं को जेल भेजा गया। हालांकि तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र की बदले की कारवाई बताती रही है। यही वजह है कि पार्टी ने दागी नेताओं को टिकट भी दिया है। इसकी वजह से भद्रलोक के बीच तृणमूल को सवालों के घेरे में लाने की पुरजोर कोशिश अमित शाह और उनकी बीजेपी कर रही है। ऐसे ढेरों मामले हैं, जिनकी वजह से बीजेपी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को जबरदस्त चुनौती देती नजर आ रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि तृणमूल कांग्रेस ने सरेंडर कर दिया है। ममता की अगुआई में पार्टी अब भी पुरजोर तरीके से मैदान में खड़ी है। इस वजह से इस बार भी मुकाबला सीधे तौर पर ममता बनाम बीजेपी ही नजर आ रहा है। हालांकि सही तौर पर कहें तो इस बार मुकाबला ममता बनाम अमित शाह है। इस जंग में अमित शाह सफल होंगे या ममता एक बार फिर उन्हें मात देने में कामयाब रहेंगी, यह तो चार मई को मतगणना के बाद ही पता चल पाएगा।

मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी होती रही

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार, 22 मार्च को 'इंडियन एक्सप्रेस' में अपने साप्ताहिक कॉलम में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में कटने वाले नामों के आंकड़े दिए, उस पर आधारित एक निष्कर्ष निकाला और एक दिलचस्प सवाल उठाया। उन्होंने लिखा कि लाखों वयस्क लोग, औसतन 10 फीसदी, मतदाता सूची से गायब हैं। इसके बाद उन्होंने सवाल उठाया, 'क्या गायब लोग वयस्क हैं, हां। क्या वे लोग नागरिक हैं, हां, जब तक कि इसके उलट कोई बात प्रमाणित नहीं होती है, फिर वे क्यों गायब हैं'? बहुत दिलचस्प है यह सवाल। वे कह रहे हैं कि हर राज्य की वयस्क आबादी में से औसतन 10 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं शामिल किए जा रहे हैं और चूंकि उनको विदेशी या घुसपैठिया भी नहीं बताया जा रहा है फिर उनके नाम क्यों काटे जा रहे हैं?

उनके लेख के साथ आंकड़ों की टेबल है, जिसमें बताया गया है कि एसआईआर से पहले की मतदाता सूची के मुकाबले एसआईआर के बाद की मतदाता सूची में बिहार में छह फीसदी, छत्तीसगढ़ में 12 फीसदी, केरल में साढ़े तीन फीसदी, मध्य प्रदेश में छह फीसदी, राजस्थान में छह फीसदी, तमिलनाडु में साढ़े 12 फीसदी नाम कटे हैं। उन्होंने बताया है कि बिहार में पहले कुल वयस्क आबादी में से 96.7 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में थे, जबकि एसआईआर के बाद आई सूची में 90.7 फीसदी लोगों के नाम हैं। यानी वयस्क आबादी में से 9.3 फीसदी लोगों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। उन्होंने सात राज्यों के आंकड़े दिए हैं।

सबसे दिलचस्प आंकड़ा उनके अपने राज्य तमिलनाडु का है। एसआईआर से पहले तमिलनाडु की वयस्क आबादी के मुकाबले 106.8 फीसदी नाम मतदाता सूची में थे और अब 94.3 फीसदी हैं। उम्मीद थी कि टेबल में दिए गए इस आंकड़े की वे कुछ व्याख्या करेंगे और बताएंगे कि अनुमानित वयस्क आबादी से करीब सात फीसदी ज्यादा मतदाता तमिलनाडु की मतदाता सूची में कैसे थे और इनके नाम कट गए तो ये लोग क्लेम करने के लिए आगे क्यों नहीं आए? लेकिन उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा है। पी चिदंबरम ने अपने लेख में यह बताने की कोशिश की है और बडे मासूम तरीके से की है कि हर राज्य में जितने वयस्क नागरिक हैं लगभग उतने नाम मतदाता सूची में होने चाहिए। सवाल है कि क्या वे इतने नासमझ हैं कि मौजूदा समय के बदलावों को नहीं समझ रहे हैं? क्या देश के अंदर और बाहर हुए पलायन या प्रवासन की परिघटना को चिदंबरम नहीं समझते हैं? क्या वे जनगणना में होने वाली गड़बड़ियों और गिनती में दोहराव की संभावना को नहीं समझते हैं? प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की ओर से एक रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसके मुताबिक 2023 में भारत में प्रवासन की दर 28.88 फीसदी थी। यह 2011 के मुकाबले लगभग 12 फीसदी कम थी। फिर भी संख्या के लिहाज से देखें तो देश के 40 करोड़ से ज्यादा लोग अपने मूल निवास से दूर किसी दूसरे जिले या किसी दूसरे राज्य में रहते थे।

बिबेक देबरॉय और देवी प्रसाद मिश्र द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 75 फीसदी के करीब लोग पांच सौ किलोमीटर के दायरे में गए थे। इसे गुरुत्वाकर्षण प्रभाव कहा गया है। करीब 25 फीसदी लोग पांच सौ किलोमीटर के दायरे से बाहर थे। यानी लगभग 10 करोड़ लोग ऐसे थे, जो अपने मूल निवास से पांच सौ किलोमीटर दूर जाकर रहते थे। वे काम के सिलसिले में गए या कारोबार के सिलसिले में या शिक्षा के लिए गए यह अलग बात है। 40 करोड़ से ज्यादा लोगों के घरेलू प्रवासन के अलावा लगभग साढ़े तीन करोड़ भारतीयों ने अंतरराष्ट्रीय प्रवासन किया है। यानी विदेश में रहते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक हर साल करीब 25 लाख लोग भारत से विदेश जा रहे हैं। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़ों को देखें तो उत्तर प्रदेश के करीब एक करोड़ 10 लाख लोग देश के अलग अलग हिस्सों में रहते हैं, जबकि बिहार के 60 लाख लोग अलग अलग राज्यों में रहते हैं। इनमे से सबसे ज्यादा करीब 14 लाख लोग झारखंड में रहते हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में कट रहे नामों के आधार पर पी चिदंबरम ने एक एकपक्षीय निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने इसके दूसरे पहलुओं की व्याख्या करने की आवश्यकता नहीं समझी है। जैसे घरेलू और विदेशी प्रवासन के आंकड़े को उन्होंने संज्ञान में नहीं लिया। अगर घरेलू प्रवासन करने वाले 40 करोड़ और विदेश में रहने वाले साढ़े तीन करोड़ लोगों में से एक चौथाई भी अपने मूल निवास की बजाय दूसरी जगह मतदाता बन गए हैं तब भी यह संख्या लगभग 11 करोड़ होगी। वास्तविक संख्या निश्चित रूप से इससे ज्यादा होगी। इसी तरह उन्होंने इस संभावना को भी संज्ञान में नहीं लिया है कि अनुमानित वयस्क आबादी क्या सचमुच उतनी है जितनी बताई जा रही है या मतदाता सूची में जितने नाम शामिल हो रहे हैं उतनी ही वयस्क आबादी है? ध्यान रहे आखिरी बार जनगणना 2011 में हुई थी उसके बाद के आंकड़े अनुमान पर आधारित हैं, जिनके बारे चिदंबरम ने लिखा है कि आजकल इतने आधुनिक टूल्स आ गए हैं कि अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। फिर भी अगर खुले दिमाग से सोचें तो यह सवाल तो उठ सकता है कि 2011 में जनगणना ज्यादा गंभीरता से, गहराई से और ज्यादा दस्तावेजों की जांच करके हुई थी या आज एसआईआर का काम ज्यादा गंभीरता से हो रहा है? बहुत संभव है कि जनगणना के आंकड़ों में कमी हो, गिनती में दोहराव हुआ हो और एसआईआर के बाद बन रही सूची वास्तविकता के ज्यादा नजदीक हो। पूरी तरह से परफेक्ट होने की बात कोई नहीं कह सकता है।

अगर वे इन बातों का संज्ञान लेते और औसतन 60 से 70 फीसदी वोट पड़ने की वास्तविकता के साथ उसको मिला कर देखते तब उनको निश्चित रूप से समझ में आता कि राज्यों की मतदाता सूचियां घोस्ट मतदाताओं से भरी हैं और इसलिए तमाम प्रयास के बावजूद ज्यादातर राज्यों में मतदान का प्रतिशत नहीं सुधरता है। अभी तक एसआईआर के बाद सिर्फ एक राज्य में चुनाव हुआ है और वह राज्य है बिहार। बिहार में एसआईआर से पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में 57 फीसदी से कुछ ज्यादा मतदान हुआ था, जबकि एसआईआर के बाद 2025 में 67 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अगर चिदंबरम साहेब यह सवाल पूछ रहे हैं कि बिहार की अनुमानित वयस्क आबादी के 91 फीसदी का ही नाम मतदाता सूची में क्यों शामिल है बाकी नौ फीसदी लोग कहां हैं तो साथ ही यह भी पूछना चाहिए कि 67 फीसदी ने ही वोट क्यों डाला, बाकी 33 फीसदी कहां हैं? जाहिर है कि अब भी बिहार की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम शामिल हैं, जो बिहार में नहीं रहते हैं और उनमें से बहुत से लोग ऐसे होंगे, जिन्होंने दूसरी जगह भी मतदाता पहचान पत्र बनवा रखा होगा। ऐसे ही पी चिदंबरम ने इस बात का भी संज्ञान नहीं लिया कि जिन लोगों के नाम कट रहे हैं अगर उन्हें काटने का आधार सही है तो फिर इनके नाम मतदाता सूची में क्यों थे और उसका लाभ किसको मिल रहा था? यह बहुत जरूरी सवाल है कि मतदाता सूची में मृत लोगों का या दूसरी जगह पर शिफ्ट कर गए लोगों या एक से ज्यादा जगह मतदाताओं के नाम होने का लाभ किसको मिलता है? इसका एक निश्चित जवाब नहीं है लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि हर राज्य में सत्तारूढ़ दल को इसका लाभ मिलेगा। यह भी कह सकते हैं कि अपने अपने असर वाले मजबूत इलाकों में अलग अलग पार्टियां इसका लाभ उठाती होंगी।

इसका अर्थ है कि दशकों से भारत में मतदान की प्रक्रिया में गड़बड़ी होती रही है। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं है कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह से सही है या इससे हर किस्म की गड़बड़ी ठीक हो जाएगी। परंतु यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि एसआईआर से मतदाता सूचियों की काफी हद तक सफाई हुई है। उनमें शुद्धता आई है। मृत लोगों या स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए लोगों या एक से ज्यादा जगह मतदाता सूची में शामिल लोगों के नाम काटे गए हैं। ऐसे कुछ लोगों के नाम हो सकता है कि अब भी सूची में शामिल हो और या कुछ सही लोगों के नाम भी कट गए हों लेकिन एसआईआर को लेकर पी चिदंबरम जो सवाल उठा रहे हैं वह पूरी तरह से राजनीतिक है, एकपक्षीय है, पूर्वाग्रह से प्रभावित है और उसका जमीनी वास्तविकताओं या आंकड़ों से कोई लेना देना नहीं है। वह उनके और उनके नेता के बनाए नैरेटिव का हिस्सा भर है।

स्वास्थ्य/सेहत

गर्मियों के दौरान दस्त से राहत पाने के लिए अपनाएं ये तरीके, नहीं होगी असुविधा

गर्मियों में दस्त एक आम समस्या है, जो गर्मी के कारण होने वाले कीटाणु या वायरस से होती है। इसमें पेट दर्द, दस्त, और कभी-कभी उल्टी भी हो सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों के दौरान दस्त से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं। इन सुझावों को अपनाकर आप अपने शरीर को तरोताजा रख सकते हैं और संक्रमण से बच सकते हैं।

गर्मियों में दस्त से बचने के लिए सबसे पहले आपको साफ पानी का सेवन करना चाहिए। पानी पीने से आपके शरीर में नमी बनी रहती है और जहरीले पदार्थ बाहर निकलते हैं। कोशिश करें कि बाहर का पानी न पिएं, क्योंकि उसमें कीटाणु हो सकते हैं। घर का उबला हुआ पानी ही पीएं, ताकि उसमें किसी भी प्रकार के कीटाणु न हों। इसके अलावा नारियल पानी और मट्ठा भी पी सकते हैं, जो पाचन के लिए अच्छे होते हैं।

ताजे फल और सब्जियां आपके शरीर को जरूरी विटामिन और खनिज प्रदान करती हैं, जो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारता है और दस्त जैसी समस्याओं से बचाव करता है। खीरा और तरबूज जैसे पानी वाले फल गर्मियों के लिए आदर्श होते हैं, क्योंकि ये शरीर को ठंडक देते हैं और तरोताजा रखते हैं। सब्जियों में पालक, गाजर और टमाटर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर सब्जियां शामिल करें।

हाथों की साफ-सफाई रखना गर्मियों में दस्त से बचने का एक अहम तरीका है। खाना खाने से पहले और बाद में अपने हाथों को अच्छे से धोएं। साबुन और पानी का इस्तेमाल करें और कम से कम 20 सेकंड तक हाथों को धोएं। अगर आप बाहर कहीं जा रहे हैं तो हाथ साफ करने वाला सामान अपने पास रखें और उसका इस्तेमाल करें। इससे कीटाणु और गंदगी दूर होती है, जो दस्त का कारण बन सकते हैं। पके हुए खाने का सेवन करना भी बहुत जरूरी है, क्योंकि कच्चा खाना कीटाणु का कारण बन सकता है। सब्जियां, दालें या कोई भी भोजन अच्छे से पकाकर ही खाएं, ताकि उसमें मौजूद कीटाणु मर जाएं। घर पर खाना बनाते समय साफ-सफाई रखें और कच्चे माल को अच्छी तरह धोकर इस्तेमाल करें। इसके अलावा बाहर खाने से बचें, क्योंकि वहां सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता और गंदगी हो सकती है।

ट्रैक से संसद तक : क्यों भारत के भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को करना चाहिए

मैंने अपना पूरा जीवन भागदौड़ में ही बिताया है, पहले केरल की कच्ची सड़कों पर, फिर वैश्विक मंचों पर और अब सार्वजनिक जीवन के गलियारों में। हर कदम पर मुझे कई मुश्किलो का सामना करना पड़ा है, कुछ प्रत्यक्ष और कुछ अनकही बाधाओं का भी, जिन्होंने महिलाओं को यह बताया कि उनका यहाँ कोई स्थान नहीं है। मैंने यह भी देखा है कि जब ये बाधाएं टूटने लगती हैं तो क्या होता है। अवसर परिणामों को बदल देता है और इससे भी ज़रुरी बात यह है कि यह लोगों की सोच को बदल देता है।

यही कारण है कि संविधान (एक सौ अट्ठाईसवाँ संशोधन) विधेयक, 2023—नारी शक्ति वंदन अधिनियम—केवल एक विधायी उपलब्धि नहीं है। यह एक लंबे समय से प्रतीक्षित संरचनात्मक सुधार है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना न तो कोई रियायत है और न ही दिखावा। यह अधिक प्रतिनिधि और प्रभावी लोकतंत्र की दिशा में एक ज़रुरी कदम है।

जब मैंने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में हिस्सा लिया और कुछ ही सेकंड के अंतर से पदक से चूक गई, तब बहुत कम भारतीय लड़कियां थीं, जो वैश्विक मंच पर खुद को देख पाती थीं। लेकिन पिछले कई दशकों में यह स्थिति बदली है। प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे और पहचान तक पहुंच में सुधार के साथ, भारतीय महिलाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता हासिल करने लगीं है। पी.वी. सिंधु, मीराबाई चानू, विनेश फोगाट और मैरी कॉम जैसी एथलीटें अकेले नहीं उभरीं। वे एक ऐसी व्यवस्था का परिणाम हैं, जिसने धीरे-धीरे ही सही, पहुंच को व्यापक बनाना शुरू किया। प्रतिनिधित्व आकांक्षाएं पैदा करता है और आकांक्षा, जब समर्थित होती है, तो उपलब्धि दिलाती है। सबक साफ है। जब महिलाओं को स्थान दिया जाता है, तो वे व्यवस्था में केवल भाग नहीं लेतीं, वे शानदार प्रदर्शन भी कर दिखाती हैं।

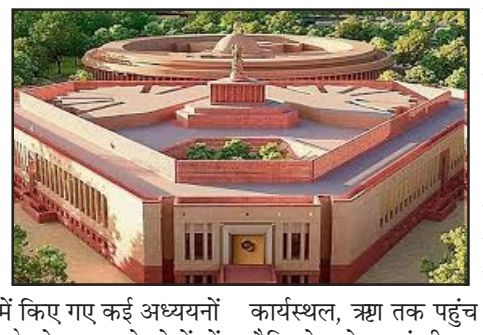

भारत में जमीनी स्तर पर महिलाओं के नेतृत्व का प्रभाव पहले ही देखा जा चुका है। 73वें संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किए जाने के बाद से, विभिन्न राज्यों में किए गए कई अध्ययनों से पता चला है कि महिला प्रतिनिधियों के नेतृत्व वाले क्षेत्रों में पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार हुआ है। ये महज़ महिलाओं के मुद्दे नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्रीय प्राथमिकताएं हैं। महिला नेता अक्सर सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, सुचारू रूप से चलने वाले स्कूल, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी शासन से जुड़ी उन रोजमर्रा की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो परिवारों और समुदायों को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं।

इस प्रतिनिधित्व को राज्य विधानसभाओं और संसद तक विस्तारित करना केवल निष्पक्षता की बात नहीं है। यह शासन की गुणवत्ता में सुधार से जुड़ा है। भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी विश्व में सबसे कम है, जो लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है। यह केवल एक सामाजिक चिंता नहीं, बल्कि एक आर्थिक समस्या भी है।

विधानसभाओं में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व उन नीतियों को प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है, जो इस अप्रयुक्त क्षमता को उजागर करती हैं, जैसे किफायती बाल देखभाल, सुरक्षित कार्यस्थल, ऋण तक पहुंच और महिला उद्यमियों के लिए समर्थन। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने से भारत की जीडीपी में 700 बिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है। अधिक समावेशी संसद न केवल एक लोकतांत्रिक आवश्यकता है, बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी है।

भारत भर में लाखों महिलाओं के लिए, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी अभी भी सुरक्षा, भेदभाव और असमान पहुंच की चिंताओं से प्रभावित है। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या कार्यस्थल, ये समस्याएं हमारे समाज में गहराई से जड़ें जमा चुकी हैं। संसद में अधिक महिलाओं का मतलब है कि कानून और नीतियां महज़ समझ से नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन की हकीकत से आकार लेती हैं। इसका मतलब है प्रवर्तन के लिए मजबूत वकालत, सहायता प्रणालियों के लिए संसाधनों का बेहतर आवंटन और एक न्याय ढांचा, जो उत्तरदायी और सुलभ हो।

शासन तभी अधिक प्रभावी होता है, जब वह उन लोगों के अनुभवों को दर्शाता है, जिनकी वह सेवा करता है। भारत में सत्ता की छवि लंबे समय से मुख्य रूप से पुरुष प्रधान रही है। उस छवि को बदलना केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह एक बदलावकारी प्रक्रिया है। जब मणिपुर, झारखंड, राजस्थान या भारत के किसी भी हिस्से की कोई युवती अपने जैसी दिखने वाली, अपने जैसी बोलने वाली और समान पृष्ठभूमि से आने वाली किसी महिला को देश के कानूनों को आकार देते हुए देखती है, तो यह सिर्फ प्रेरणा ही नहीं देता, बल्कि यह संभावनाओं के प्रति उसके विश्वास को भी बदल देती है। आकांक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। विधानसभाओं में आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि अवसरों का दायरा बढ़ता है। भारत की महिलाओं ने खेल जगत, सशस्त्र बलों, विमानन और व्यावसायिक पदों पर पहले ही कई बाधाओं को पार कर लिया है।

ADHD को कमजोरी नहीं सुपरपावर मानती हैं कुब्रा सैत

कुछ बातें ऐसी होती हैं जो अक्सर खुलकर सामने नहीं आ पातीं, खासकर उस इंडस्ट्री में जहां हर चीज दिखावे पर टिकी होती है। लेकिन जब ये बातें सामने आती हैं, तो दिल को छू जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने भी ऐसी ही एक बातचीत की शुरुआत की है। उन्होंने खुलकर ADHD जैसे विषय पर बात की, जिसे आज भी बहुत लोग पूरी तरह समझ नहीं पाते। हाल के एक इंस्टाग्राम वीडियो में कुब्रा ने बताया कि उन्होंने ADHD को किसी कमी या परेशानी के रूप में नहीं देखा, बल्कि इसे अपने आपको और अपनी क्रिएटिविटी को समझने का एक जरिया बताया।

कुब्रा ने हाल के एक इंस्टाग्राम वीडियो में बताया कि उनका दिमाग एक साथ कई विरोधाभासों को संभाल सकता है। जहां आमतौर पर लोग एक समय में एक ही भावना को समझ पाते हैं, वहीं कुब्रा के लिए प्यार, गुस्सा, उत्साह और दुख, सब कुछ एक साथ महसूस होना नैचुरल है। पहले यह उन्हें उलझन में डालता था, लेकिन अब वह इसे अपनी क्रिएटिविटी का हिस्सा मानती हैं। शायद यही वजह है कि वह अपने काम में इतनी गहराई से जुड़ पाती हैं।

कुब्रा ने एक दिलचस्प बात कही, क्या होगा अगर यह 'बहुत ज्यादा' नहीं, बल्कि बस एक अलग तरह का ऑपरेटिंग सिस्टम हो? यह विचार हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हर अलग व्यवहार को तुरंत 'गलत' मान लेते हैं, बजाय उसे समझने की कोशिश करने के। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पहले उन्हें अपना मन काफी बिखरा हुआ लगता था, जैसे कोई अव्यवस्थित एक्सेल शीट। लेकिन समय के साथ, खासकर थेरेपी के जरिए, उन्होंने उस बिखराव में भी एक पैटर्न और संरचना को पहचानना शुरू किया। कुब्रा ने यह भी बताया कि उनकी परवरिश ने पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाया। लेकिन उन्होंने महसूस किया कि उनका दिमाग कम्यूनिटी और बातचीत में ज्यादा सहज महसूस करता है। दूसरों से जुड़ना, विचारों का आदान-प्रदान करना, यही चीजें उन्हें संतुलित और मजबूत बनाती हैं।

लगा था लोग भूल जाएंगे लेकिन मिला प्यार : जेनेलिया

जेनेलिया देशमुख की फिल्म सितारे ज़मीन पर ने न सिर्फ़ बॉक्स ऑफिस पर, बल्कि अपनी कहानी से लोगों का दिल भी जीत लिया था। उनके लिए यह इसलिए भी ख़ास थी क्योंकि उन्होंने 13 साल बाद किसी हिंदी थिएटर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्हें आखिरी बार तेरे नाल लव हो गया में देखा गया था, जिसके बाद उन्होंने इट्स माई लाइफऔर मिस्टर मम्मी जैसी ओटीटी फिल्मों का निर्देशन किया। पिछले 10 सालों में मैंने ज्यादा काम नहीं किया, शायद दोस्तों के लिए, या फिर कोई एकाध गाना। मैंने ओटीटी के लिए दो-तीन फ़िल्में कीं। मुझे लगा था कि लोग मुझे भूल जाएँगे और मुझे नहीं लगता था कि मेरा कोई महत्व है। लेकिन लोगों को ये सब कहते हुए सुनना अच्छा लगता है कि वे और देखना चाहते हैं। ये आमिर खान की फ़िल्म है, तो ज़ाहिर है इसे और भी ज्यादा लोग देखते। मुझे नहीं लगता था कि इस टेकअवे में कहीं मेरा भी कोई वजूद है। ये मेरे लिए सबसे बड़ी तारीफ़ है कि लोग मुझे और देखना चाहते हैं। एक एक्टर और इंसान के तौर पर, अगर कोई आपको और देखना चाहता है, तो ये एक बहुत ही ख़ास जगह होती है जो हर किसी को नहीं मिलती, जेनेलिया ने राजधानी में हमसे मिलते हुए मज़ाकिया लहजे में कहा।

राम चरण की 'पेड्डी' में हुई उस एक्ट्रेस की जिसने शाहरुख खान को दी थी मात!

जहां बॉक्स ऑफिस पर साल 2026 की शुरुआत से ही बॉलीवुड वालों का दबदबा है. तो साउथ भी कहीं कम नहीं है. वो आगे की तैयारी में लगे हुए हैं, वो भी तेजी से. कई बड़ी फिल्मों पर इस वक्त काम चल रहा है, जिसमें से एक है राम चरण की पेड्डी. फिल्म की रिलीज डेट लगातार बढ़ रही है. पर अब फाइनली फिल्म में एक नई एंट्री हो गई है. ये वही एक्ट्रेस है, जिसने शाहरुख खान को हराया था लेकिन कैसे? जानिएइस साल की शुरुआत में साउथ की एक बड़ी फिल्म रिलीज हुई थी, पर प्रभास कुछ खास नहीं कर पाए. जी हां, उनकी पिक्चर जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. अगर बात बॉलीवुड फिल्म की करेंगे, तो बॉक्स ऑफिस पर इस इंडस्ट्री ने भौकाल काटा हुआ है. पर साउथ वालों को कम मत समझना, क्योंकि यहां भी कई बड़ी पिक्चरों पर काम चल रहा है. कुछ इस साल ही रिलीज कर दी जाएंगी, तो कुछ फिल्में अगले साल रिलीज होंगी. इस लिस्ट में राम चरण की 'पेड्डी' भी शामिल है. लंबे वक्त से फिल्म पर काम चल रहा है, पर फिर भी रिलीज डेट को लेकर लगातार कन्फ्यूजन बना हुआ है. इसी बीच फिल्म में एक बड़ी एंट्री की जानकारी सामने आ गई है. जी हां, यह वही एक्ट्रेस हैं, जिसने 2 साल पहले ही शाहरुख खान को टक्कर दी थी और हरा दिया था. जानिए कौन हैं ये?राम चरण के लिए साल 2025 कुछ अच्छा नहीं रहा. उनकी 'गेम चेंजर' पर खूब पैसे लगाए गए, पर बात जब होती है कमाई की. तो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का बुरा हाल हो गया था. फिलहाल एक्टर का पूरा फोकस ही 'पेड्डी' पर है. लेकिन इसके बाद सुकुमार के साथ एक फिल्म पर काम करेंगे. जिसका पहले ही ऐलान हो चुका है. और राम चरण के अलावा सुकुमार भी उस प्रोजेक्ट के लिए एक्साइटेड हैं. खैर, पहले जानिए 'पेड्डी' में किसकी एंट्री हो गई है।

तमन्ना भाटिया ने स्टाइलिश तस्वीरों के साथ शेयर की जीवन की फलसफा

अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में, तमन्ना भाटिया ने फैशन के साथ पहचान भी लेयरिंग की ताकत को दर्शाया। उन्होंने साझा किया कि एक काले रंग का गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट भले ही अलग-अलग दुनिया के लगे, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे से मिलने के लिए ही बने हैं।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक हैं जो अपने लुक और स्टाइल के लिए काफी मशहूर हैं। वह फैंस के साथ नए-नए आउटफिट में अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। रविवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी ऐसी ही कुछ स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की, जिन पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं।

तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने खास अंदाज से सबको चौंका दिया। उन्होंने एक काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक कैजुअल ग्रे टी-शर्ट पहनी, जिससे उन्होंने दिखाया कि कैसे अलग-अलग चीजें भी एक साथ खूबसूरत लग सकती हैं।

तमन्ना का कहना है कि उनके लिए फैशन सिर्फ नए ट्रेंड को फॉलो करना नहीं है, बल्कि यह खुद को जाहिर करने का एक तरीका है, जहां ग्लैमर और आराम, मजबूती और कोमलता का संतुलन बनता है।

रविवार को बाहुबली फिल्म की इस अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में, तमन्ना भाटिया ने फैशन के साथ पहचान भी लेयरिंग की ताकत को दर्शाया। उन्होंने साझा किया कि एक काले रंग का गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट भले ही अलग-अलग दुनिया के लगे, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे से मिलने के लिए ही बने हैं।

तमन्ना ने आगे लिखा, लेयरिंग की कला... एक काली चमकीली गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट दो अलग दुनिया से हो सकती हैं - लेकिन मेरे लिए, ऐसा लगता है कि वे मिलने के लिए ही बनी थीं। क्योंकि विरोधाभास टकराव नहीं है। यह वह जगह है जहां मर्दाना अंदाज और स्त्री स्वभाव में तालमेल बैठता है। यह लेयरिंग की कला भी है - न केवल मैं क्या पहनती हूं, बल्कि मैं कौन हूं, इसमें भी। कपड़े, गहने, पहचान - इनमें से किसी को भी एक जैसा होने की जरूरत नहीं है। कैजुअल ग्लैमर कोई ट्रेंड नहीं है। यह मेरी भाषा है। और यह हमेशा लेयर में होता है।तमन्ना भाटिया अपने बेजोड़ स्टाइल सेंस के लिए जानी जाती हैं, वह सोशल मीडिया पर अपनी आकर्षक तस्वीरों के जरिए लगातार स्टाइल की दुनिया को लीड करती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, 35 वर्षीय अभिनेत्री सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी आगामी फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फ़ॉरेस्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं। मध्य भारत के घने जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म सिद्धार्थ के साथ तमन्ना की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। आगामी, बहुप्रतीक्षित थ्रिलर 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इन हसीनाओं ने खुद से दोगुने उम्र के हीरो संग किया रोमांस

मनोरंजन की दुनिया में कई सितारे ऐसे रहे जिन्होंने उम्र की सीमा को तोड़ते हुए, बड़े पर्दे पर ऐसे सीन दिए जिसने बवाल मचा दिया. उम्र को सिर्फ एक नंबर साबित करते हुए, इन सितारों ने लंबे एज गैप को दरकिनार करते हुए, खुद से दोगुनी उम्र के हीरो संग रोमांस करने में कोई हिचक नहीं दिखाई. किसी का किसिंग सीन वायरल हुआ, तो किसी के बोल्ड डांस मूव्स पर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा. चलिए जानते हैं, उन 7 एक्ट्रेसेस के बारे में जिन्होंने पर्दे पर उम्र का फासला मिटाकर रोमांस में हर हद पार कर दी.

रणवीर सिंह-सारा अर्जुन

हाल ही में रणवीर सिंह का बर्थडे धमाकेदार रहा. जब उनकी फिल्म धुरंधर का टीजर रिलीज हुआ. फिल्म में रणवीर 40 साल के हैं, जबकि उनकी को-स्टार सारा अर्जुन सिर्फ 20 साल की हैं. टीजर में दोनों की केमिस्ट्री दिखी तो सोशल मीडिया पर मीम्स और ट्रोल्स की बाढ़ आ गई.

अमिताभ बचन-जिया खान

निशब्द फिल्म जो 2007 में आई था, उसमें 64 साल के अमिताभ बचन और 18 साल की जिया खान के बीच रोमांस और कई इंटीमेट सीन्स दिखाए गए थे. इन्हीं बोल्ड सीन्स की वजह से फिल्म ने खूब सुर्खियां बटोरीं. खासकर दोनों के किसिंग सीन ने टीवी चैनल्स से लेकर अखबारों तक में बवाल मचा दिया था.

उर्वशी रौतेला-नंदमुरी बालाकृष्ण

उर्वशी रौतेला ने तेलुगु फिल्म डाकू महाराज में 65 साल के नंदमुरी बालाकृष्ण के साथ रोमांस किया. खासतौर पर फिल्म के गाने दाबिड़ी दीबिड़ी में उनके बोल्ड डांस स्टेप्स ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी. दोनों के बीच 34 साल का उम्र का फासला है, जिसको लेकर दोनों को ट्रोल भी किया गया.

सलमान खान-दिशा पटानी

राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई में सलमान खान जिनकी उम्र उस वक्त 55 साल के करीब था, तब दिशा पटानी 28 की थी, उस वक्त उनकी ये जोड़ी बनी थी. फिल्म में सलमान ने अपनी नो-किस पॉलिसी तोड़ते हुए दिशा को किस किया था, जिसपर फैंस ने सलमान को खूब ट्रोल किया था. हालांकि दोनों का गाना सीटी मार भी जबरदस्त हिट रहा था.

सलमान खान-रश्मिका मंदाना

ईद 2025 पर रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म सिकंदर में वो रश्मिका मंदाना के साथ रोमांस करते नजर आए था. सलमान जहां 59 साल के हैं, वहीं रश्मिका सिर्फ 29 की. फिल्म में दिखाई गई, दोनों की केमिस्ट्री ने सोशल मीडिया पर कई लोगों को चौंका दिया था. हालांकि सलमान ने साफ कहा था, कि रश्मिका और उनके पिता को ऐतराज नहीं, तो बाकी लोग क्यों परेशान हो रहे हैं?

साउथ इंडस्ट्री के कई उदाहरण

केवल बॉलीवुड ही नहीं, साउथ सिनेमा में भी ऐसी जोड़ियां बनी हैं, जिनमें एक्टर और एक्ट्रेस के बीच उम्र का लंबा फासला रहा. तमिल-तेलुगु फिल्मों में कई बार दोगुनी उम्र के हीरो संग हीरोइनों के साथ रोमांस करते नजर आए हैं, जिसे लेकर फैंस की राय हमेशा बंटी नजर आई है.

बक्सर में भव्य आयोजन के साथ मनाया गया वीर कुंवर सिंह का 168वाँ विजय दिवस, लोगों ने दी श्रद्धांजलि

भारत की आजादी की लड़ाई में वीर कुंवर सिंह का रहा ऐतिहासिक योगदान, बक्सर में मनाया गया जयंती समारोह

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर में गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 को 1857 की क्रांति के महानायक वीर कुंवर सिंह का 168वाँ विजय दिवस पूरे उत्साह, श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें मुख्य रूप से बक्सर पुलिस चौकी स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा स्मारक और कुंवर सिंह कॉलोनी स्थित प्रतिमा स्थल शामिल रहे। दोनों स्थानों पर सुबह से ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जहां देशभक्ति के नारों और सम्मान के माहौल के बीच आयोजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष बजरंगी मिश्रा ने की। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रत्याशी तथागत हर्षवर्धन और पूर्व विधायक श्रीकांत पाठक मौजूद रहे। इनके अलावा कई गणमान्य लोग और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। अपने संबोधन में वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह के जीवन और उनके अद्वितीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वीर कुंवर सिंह ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। 80 वर्ष की आयु में भी उन्होंने जिस पराक्रम और रणनीति से अंग्रेजों का सामना किया, वह आज भी इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि उनका जीवन हमें देशभक्ति, त्याग और संघर्ष की प्रेरणा देता है, जिसे आज की युवा पीढ़ी को अपनाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों और नारों के माध्यम से माहौल को और भी भावनात्मक बना दिया गया। उपस्थित लोगों ने एक स्वर में वीर कुंवर सिंह के आदर्शों को अपनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता, समाजसेवी और आम नागरिक शामिल हुए। प्रमुख रूप से धनजी पांडे, विजय कुमार पाठक, अजीत सम्राट, विजयानंद वर्मा, छोटू पांडे, श्रीमन राय, दीपक राय, प्रभात कुमार, राजीव शर्मा, प्रिंस कुमार, प्रशांत राय, आशुतोष उपाध्याय, आनंद मिश्रा (चीनी मिल), विनय कुशवाहा, अभिषेक कुमार मौर्य, संतोष प्रजापति, हरेंद्र प्रताप सिंह, मिंटू सिंह, गणेश पांडे, संजय ओझा, धनजी उपाध्याय, अजीत यादव, सुभाष राम, अमरेंद्र मिश्रा, चंचल पांडेय, बिटू मिश्रा, दीपक सिंह सहित कई अन्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और यह संदेश दिया कि वीर कुंवर सिंह के आदर्शों को केवल याद करने तक सीमित न रखकर, उन्हें अपने जीवन में उतारना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर ने एक बार फिर लोगों में देशभक्ति की भावना को जागृत किया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की प्रेरणा दी।

बक्सर में गुरुवार को बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समिति की ओर से 1857 की क्रांति के महानायक वीर कुंवर सिंह की जयंती बड़े ही श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शहर के वीर कुंवर सिंह चौक पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनार्दन राय ने की। आयोजन के दौरान उपस्थित लोगों ने वीर कुंवर सिंह की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दीप प्रज्वलित कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। पूरा चौक 'वीर कुंवर सिंह अमर रहें' के नारों से गूंज उठा, जिससे माहौल देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह के जीवन और उनके संघर्षपूर्ण योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि 1857 की क्रांति में वीर कुंवर सिंह ने बिहार में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था। लगभग 80 वर्ष की आयु में भी उन्होंने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए एक सशक्त सैन्य बल का गठन किया और आरा में अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ा। उनकी रणनीति और नेतृत्व के बल पर आरा पर कब्जा कर अंग्रेजों को पराजित किया गया, जो उस समय की एक बड़ी उपलब्धि थी।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि वीर कुंवर सिंह का जीवन भारतीय शौर्य और बलिदान की अद्वितीय मिसाल है। उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हार न मानने और साहस के साथ संघर्ष करने का संदेश दिया। उनके द्वारा अपनी घायल भुजा को काटकर गंगा में अर्पित करने की घटना आज भी देशभक्ति और त्याग की सर्वोच्च मिसाल मानी जाती है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे वीर कुंवर सिंह के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और देश व समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों की गाथाएं हमें न केवल प्रेरित करती हैं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाती हैं। इस अवसर पर सदर एसडीओ अविनाश कुमार, नगर थानाध्यक्ष मनोज सिंह, पुनीत सिंह, राजवंश सिंह, संत कुमार सिंह, डॉ. श्रवण तिवारी, सतीश त्रिपाठी, संध्या पांडेय, दिनेश सिंह, सुनील राम, संजय साह, विश्वामित्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन समाज में देशभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपने इतिहास और महान विभूतियों से जोड़ते हैं।

अटाव में बुद्ध पूर्णिमा पर 1 मई को भव्य महोत्सव, धम्म यात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण का केंद्र

बक्सर (संवाददाता)। जिले के अटाव क्षेत्र में आगामी 1 मई 2026 को बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक भव्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सम्राट अशोक क्लब, भारत ग्रामीण (इकाई लटवाँ, अटाव) के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का समृद्ध संगम देखने को मिलेगा। इस कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बक्सर व्यवहार न्यायालय के जीपी मनिंदर सिंह करेंगे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन राजपुर विधायक संतोष कुमार निराला द्वारा किया जाएगा, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में बृजेश मौर्य उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे।

आयोजन से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए जीपी मनिंदर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:00 बजे भव्य धम्म यात्रा के साथ होगी, जो अटाव क्षेत्र में निकाली जाएगी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामीण भाग लेंगे तथा भगवान बुद्ध के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 2:00 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा और 2:30 बजे से मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ होगा, जिसमें विभिन्न वक्ता अपने विचार प्रस्तुत करेंगे और बुद्ध के सिद्धांतों पर प्रकाश डालेंगे। महोत्सव का मुख्य आकर्षण शाम 7:00 बजे से शुरू होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसमें प्रसिद्ध लोक कलाकार अवधेश कुशवाहा, उपेंद्र मौर्य, अखिलेश भोजपुरिया और सुभाष मौर्य अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोहेंगे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया जाएगा, बल्कि भगवान बुद्ध के विचारों, उनके जीवन दर्शन और सांस्कृतिक विरासत को भी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सम्राट अशोक क्लब के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार मौर्य, सचिव मुकेश कुमार मौर्य और कोषाध्यक्ष शशीकांत मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बक्सर के महदह में 5 से 10 मई तक भव्य धार्मिक महोत्सव

बक्सर (संवाददाता)। जिले के महदह स्थित पुलिस लाइन परिसर में मई माह की शुरुआत के साथ ही भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का भव्य संगम देखने को मिलेगा। महाशक्ति कालरात्रि नवदुर्गा धाम ट्रस्ट के तत्वावधान में 5 मई से 10 मई तक श्री राधा-कृष्ण प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री लक्ष्मी-नारायण महायज्ञ महामहोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है, वहीं दूर-दराज से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

महोत्सव का शुभारंभ 5 मई को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होकर वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना देंगे। कलश यात्रा के दौरान धार्मिक गीत, भजन और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठेगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रासलीला का मंचन होगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की बाल और युवा लीलाओं का सजीव चित्रण किया जाएगा। वहीं, शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक श्रीमद भागवत कथा का वाचन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु धर्म, भक्ति और जीवन के आध्यात्मिक पहलुओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इसके बाद रात 8 बजे से 11 बजे तक रामलीला का मंचन होगा, जो श्रद्धालुओं और दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस महोत्सव में लक्ष्मीनारायण त्रिदण्डी स्वामी जी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा।

बक्सर के अधिवक्ता लक्ष्मण यादव का आकस्मिक निधन, 24 अप्रैल को न्यायालय में 'नो वर्क' का निर्णय

बक्सर (संवाददाता)। व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता लक्ष्मण यादव (एनरोलमेंट नंबर 1643/2025) का 22 अप्रैल की शाम लगभग 4 बजे इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। उनके असामयिक निधन की खबर मिलते ही न्यायालय परिसर में शोक का माहौल छा गया और पूरे अधिवक्ता समुदाय में गहरी संवेदना व्यक्त की गई।

जानकारी के अनुसार, लक्ष्मण यादव पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनका इलाज जारी था। इसी बीच अचानक उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई, जिसके बाद उपचार के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि अधिवक्ता समाज ने भी एक सक्रिय, मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ सदस्य को खो दिया है।

जिला अधिवक्ता संघ, बक्सर के महासचिव बिंदेश्वरी प्रसाद पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय ने इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दिवंगत अधिवक्ता के सम्मान में 24 अप्रैल, शुक्रवार को बक्सर व्यवहार न्यायालय में 'नो वर्क' रखा जाएगा। इस दिन न्यायालय में सभी न्यायिक कार्य पूरी तरह स्थगित रहेंगे और अधिवक्ता अपने दिवंगत साथी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने लक्ष्मण यादव के निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की। न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के बीच शोक सभा आयोजित किए जाने की भी तैयारी है, जहां उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाएगी। साथ ही, उनके योगदान और व्यक्तित्व को याद करते हुए अधिवक्ता समुदाय ने उनके पदचिन्हों पर चलने और पेशे के प्रति समर्पण बनाए रखने का संकल्प भी व्यक्त किया।

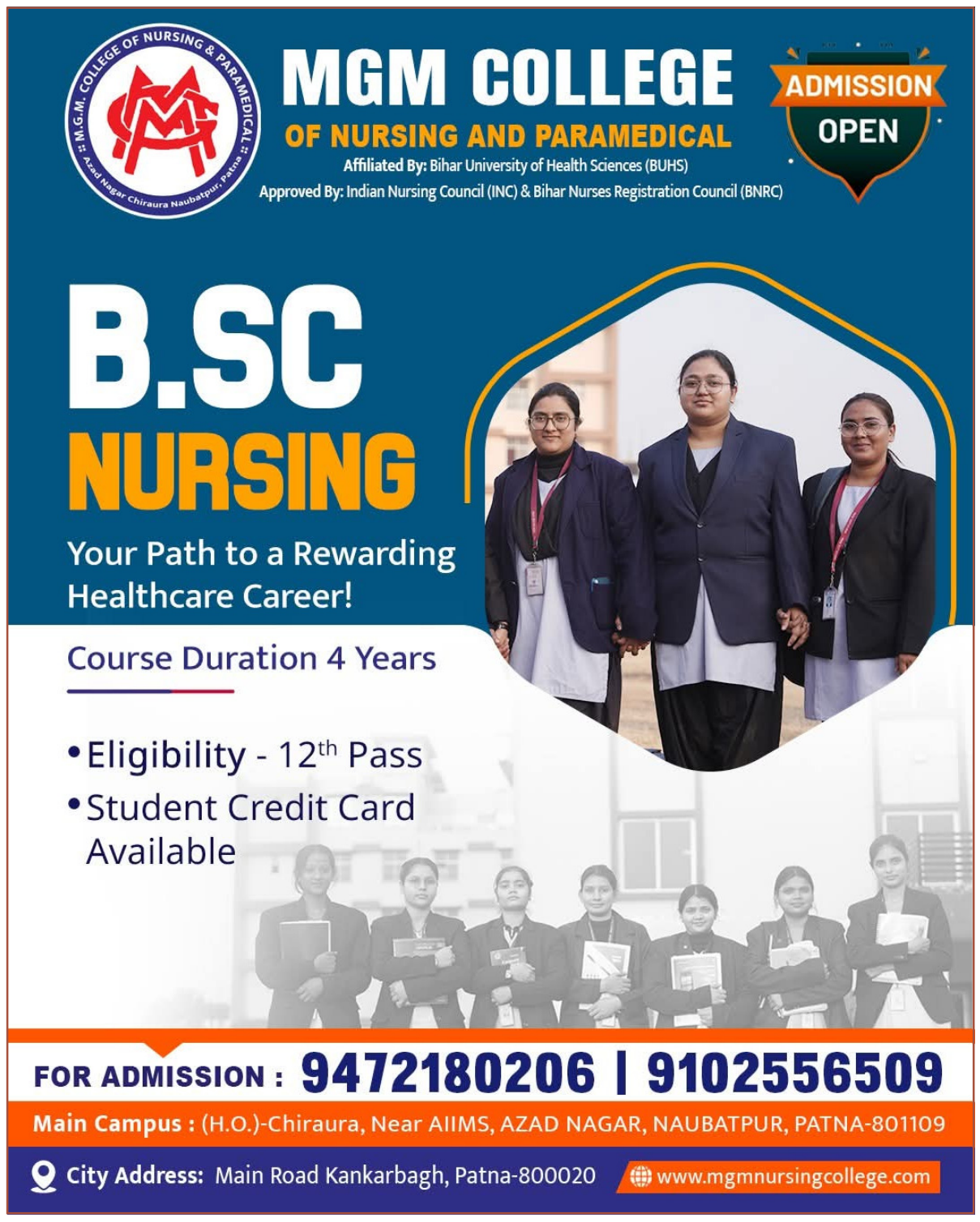

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480